राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 13 दिसंबर 2024 वर्ष-7,अंक-317 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

वन नेशन वन इलेक्शन प्रस्ताव को मोदी कैबिनेट से मिली मंजूरी

-सरकार बिल पर चाहती है आम सहमति, अगले हफ्ते संसद में हो सकता है पेश

नई दिल्ली।

मोदी कैबिनेट से वन नेशन वन इलेक्शन प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। सूत्रों ने दावा कर बताया कि अगले हफ्ते बिल को संसद में पेश किया जाएगा। सरकार इस बिल पर आम सहमति बनाना चाहती है, लिहाजा संसद से बिल को चर्चा के लिए जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) के पास भेजा जाएगा। जेपीसी इस बिल पर सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करेगी। सूत्रों के मुताबिक यह बिल अगले हफ्ते संसद में पेश किया जाएगा। सरकार चाहती है कि इस बिल पर सभी राजनीतिक दलों के बीच आम सहमति बने। अगर यह बिल पास हो जाता है, तो 2029 तक पूरे देश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराए जा सकते हैं। राज्यों के विधानसभा कार्यकाल घटाने या बढ़ाने पर विचार होगा। दिसंबर 2026 तक 25 राज्यों में विधानसभा चुनाव कराना जरूरी होगा। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित पैनल ने 191 दिनों की रिसर्च और स्टेकहोल्डर्स से चर्चा के बाद 14 मार्च 2024 को अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप थी। रिपोर्ट में पहले फेज़ में लोकसभा और विधानसभा चुनाव साथ होंगे। 100 दिनों के अंदर निकाय चुनाव कराए जाएंगे। वन नेशन-वन इलेक्शन से प्रशासनिक खर्चों और संसाधनों की बचत होगी। इस व्यवस्था के लिए संविधान में संशोधन और कई राज्यों के विधानसभा कार्यकाल में बदलाव जरूरी होगा। राज्यों और विपक्षी दलों की सहमति अहम होगी, क्योंकि यह प्रस्ताव क्षेत्रीय और राजनीतिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है। सभी राज्यों के चुनाव कार्यक्रमों का समायोजन कठिन होगा। राज्यों की स्वायत्तता और संघीय ढांचे पर असर पड़ सकता है। प्रस्ताव पर राजनीतिक दलों के बीच मतभेद हैं। अगर यह बिल पास होता है, तो भारतीय चुनाव प्रणाली में बड़ा बदलाव आएगा। यह देखना होगा कि विपक्ष और राज्य सरकारें इसे कितना समर्थन देती हैं। इस बिल पर चर्चा लोकतंत्र के भविष्य के लिए अहम होगी।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पेश

60 विपक्षी सांसदों ने किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने गुरुवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव पेश किया। उच्च सदन में विपक्षी नेताओं के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी करने के मामले में यह विशेषाधिकार प्रस्ताव लाया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस विशेषाधिकार प्रस्ताव को 60 विपक्षी नेताओं का समर्थन मिला है और इन विपक्षी सांसदों ने इस प्रस्ताव पर हस्ताक्षर किए हैं। टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने कहा कि कल सदन में विपक्ष को संबोधित करते हुए किरेन रिजिजू ने कहा कि आप सभी इस सदन में रहने के योग्य नहीं हैं। संसदीय कार्य मंत्री को संसद को सुचारू रूप से चलाने पर फोकस करना चाहिए, लेकिन वे इसके बजाय बार-बार विपक्ष का अपमान कर रहे हैं। घोष ने कहा कि किरेन रिजिजू ने विपक्षी सदस्यों का अपमान किया है और संसद के अंदर और बाहर दोनों जगह विपक्षी सांसदों के खिलाफ व्यक्तिगत शब्दों का इस्तेमाल किया है। यह पूरी तरह से अनुचित है और वे अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं।

नर व्हेल ने मादा व्हेल की तलाश में तीन महासागरों को किया पर

वैज्ञानिकों ने किया 13046 किलोमीटर सफर का खुलासा

नई दिल्ली । एक नर व्हेल ने मादा व्हेल की तलाश में तीन महासागर पार किये।13046 किलोमीटर की सतत यात्रा को 2013 से वैज्ञानिक इस व्हेल को ट्रैक कर रहे थे। इंडिपेंडेंस की रिपोर्ट के अनुसार वैज्ञानिकों ने 10 जुलाई 2013 को उत्तरी कोलंबियन प्रशांत महासागर की त्रिबुगा खाड़ी में इस व्हेल को ट्रैक किया था। 13 अगस्त 2017 को यह नर व्हेल प्रशांत महासागर पहुंचा। 22 अगस्त 2022 को यह नर व्हेल हिंद महासागर के जंजीवार चैनल में दिखाई दिया। इस नर व्हेल को ट्रैक करने वाले वैज्ञानिक टेड चीसमेन ने कहा, इस प्रजाति की यह सबसे लंबी यात्रा है। इसके पहले एक मादा हंपबेक व्हेल ने 1999 से 2001 के बीच में ब्राजील से मेंडागास्कर की 9800 किलोमीटर की यात्रा का रिकॉर्ड बनाया था। इस मादा व्हेल ने भी नर व्हेल की तलाश में इतनी लंबी यात्रा की थी। वैज्ञानिक टेड का कहना है, नर और मादा अपना पार्टनर पाने के लिए इतनी लंबी यात्रा करते हैं। जंगली जानवर नर और मादा की तलाश में लगातार एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाकर तलाश करते हैं।भारत सहित दुनिया के देशों में जंगली जानवर भी सैकड़ो किलोमीटर की यात्रा कर नर और मादा संबंध बनाते हैं।

बहुसंख्यकों की इच्छा से चलेगा देश, कहने वाले जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी

प्रयागराज । इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर यादव के खिलाफ इंडिया गठबंधन संसद में महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक, अब तक राज्यसभा के 38 सांसदों ने महाभियोग प्रस्ताव की नोटिस पर हस्ताक्षर कर चुके है। इसके बाद प्रस्ताव राज्यसभा में पेश होगा। अगर प्रस्ताव पास हुआ फिर लोकसभा में पेश किया जाएगा। कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा ने कहा कि संसद के वर्तमान शीतकालीन सत्र में ही संसद में नोटिस दिया जाएगा। 5 दिन पहले प्रयागराज में विश्व हिंदू परिषद (बीएचपी) की लीगल सेल का एक कार्यक्रम था। इसमें जस्टिस शेखर यादव ने कहा कि मुझे यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि यह हिंदुस्तान है और यह देश यहां रहने वाले बहुसंख्यकों की इच्छा से चलेगा। यह जो कठमुल्ला हैं, यह सही शब्द नहीं है। लेकिन कहने में परहेज नहीं है, क्योंकि वह देश के लिए बुरा है...घातक है। देश के खिलाफ हैं। जनता को भड़काने वाले लोग हैं।

पंडाल देख नाराज हुए योगी, मौके पर ही अफसरों को लगा दी फटकार

आज प्रयागराज पहुंचे रहे पीएम मोदी

प्रयागराज । उत्तरप्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ प्रयागराज में गुरुवार को पीएम मोदी की जनसभा का पंडाल देख नाराज हो गए। उन्होंने मौके पर ही अफसरों को फटकार लगा दी। योगी ने अफसरों से पूछा कि अगर अंदर भीड़ बढ़ेगी तब लोगों को घुटन नहीं होगी क्या? जवाब में अफसरों ने कहा कि महाराज जी हैंगर लंबा लगा है। इस अगर हटाएंगे तब कल तक भी नहीं पंडाल पूरा नहीं हो पाएगा। इस पर अफसरों ने सीएम योगी को बीच का रास्ता सुझाया। मंच के सामने के कुछ पर्दे हटा देते हैं। बाकी स्ट्रक्चर लगा रहेगा। इस पर योगी ने कहा कि हां, जरूरी जो कुछ हैं वहां करे है। मोदी महाकुंभ की तैयारियों के बीच आज प्रयागराज आ रहे हैं। उनके प्रोग्राम की तैयारियों को देखने के लिए सीएम योगी प्रयागराज पहुंचे। यह सीएम का 15 दिन में तीसरा प्रयागराज दौरा था। जनसभा स्थल से सीएम महाकुंभ के सेक्टर-1 में बने केंद्रीय अस्पताल पहुंचे। यहां अफसरों से अस्पताल के बारे में जाना। इसके बाद अक्षय वट की परिक्रमा की। सप्त ऋषि की मूर्ति के साथ फोटो क्लिक कराई, फिर हनुमान मंदिर कॉरिडोर का निरीक्षण किया। योगी के साथ डिप्टी सीएम केशव मौर्य, केंद्रीय मंत्री नंदी गोपाल गुप्ता नंदी भी रहे।

महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल विस्तार 14 को

अजित ने की पुष्टि; पीएम मोदी से मिले सीएम फडणवीस

नई दिल्ली।

महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल का विस्तार 14 दिसंबर को होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने इसकी पुष्टि की। शरद पवार से मुलाकात पर उन्होंने कहा कि मैं एनसीपी-एससीपी प्रमुख शरद पवार को उनके जन्मदिन पर बधाई देने गया था। जहां तक बात कैबिनेट विस्तार की है तो महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल विस्तार 14 दिसंबर को होगा।

महाराष्ट्र के परभणी शहर में हुई हिंसा पर उन्होंने कहा कि कल रात से स्थिति नियंत्रण में है। वहां कानून-व्यवस्था ठीक है। अमित शाह से मुलाकात पर विस्तार से बताते हुए पवार ने कहा कि उन्होंने कहा कि उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) में चार गुना वृद्धि की गई, लेकिन एमएसपी में वृद्धि नहीं की गई। इसलिए मैंने उनसे गन्ने का एमएसपी बढ़ाने का अनुरोध किया है। इस बीच महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि आप लोगों ने मेरे और अजित पवार के दिल्ली आने के बारे में बहुत सी खबरें चलाई हैं कि यह मंत्रिमंडल विस्तार से संबंधित है। मैंने उन्हें देखा है, लेकिन मैं एक बात स्पष्ट करना चाहूंगा कि मैं पार्टी से संबंधित बैठकों में आया हूं और अजित पवार भी कुछ जरूरी मुद्दों पर बैठक के लिए आए हैं। यह उनका काम है। इसलिए इन बातों

पर ज्यादा अटकलें लगाने की जरूरत नहीं है। हमारी पार्टी में संसदीय बोर्ड और हमारा वरिष्ठ नेतृत्व फैसले लेता है। जहां तक भाजपा कोटे से मंत्री बनाने की बात है, तो हम इस पर फैसला लेंगे। इसी तरह एनसीपी और शिवसेना अपने स्तर पर अपने मंत्रियों के नाम तय करेंगे। मंत्रिमंडल विस्तार का फॉर्मूला पहले से तय है। आपको जल्द ही इसके बारे में पता चल जाएगा। इससे पहले मुख्यमंत्री फडणवीस ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा दिल्ली और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। उन्होंने बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की थी।

शाह के दौरे से पहले अबूझमाड़ में 7 नक्सली ढेर

1 हजार से ज्यादा जवानों ने नक्सलियों को घेरा, फायरिंग जारी; अब-तक 215 मारे

जगदलपुर।

बस्तर में अमित शाह के दौरे से पहले अबूझमाड़ इलाके में सुरक्षाबलों ने 7 नक्सलियों को मार गिराया है। इनके शव भी बरामद कर लिए गए हैं। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने इसकी पुष्टि की है। अभी भी दोनों तरफ से गोलीबारी हो रही है।

चार जिले के एक हजार से ज्यादा जवानों ने नक्सलियों को घेर रखा है। इनमें नारायणपुर, दंतेवाड़ा, जगदलपुर और कोंडागांव जिले की डीआरजी, एसटीएफ और सीआरपीएफ की टीम शामिल है। बता दें कि, 1 जनवरी से अब तक 215 नक्सली मारे गए हैं।

15 दिसंबर को शाह बस्तर दौरे पर

15 दिसंबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बस्तर के दौरे पर रहेंगे। शाह के बस्तर दौरे से पहले फोर्स एक्टिव हो गई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि माड़ इलाके में भारी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इसी सूचना के आधार पर करीब 1 हजार से ज्यादा जवानों को ऑपरेशन के लिए निकाला गया था।

इसी बीच, गुरुवार तडके सुबह 3 बजे जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने कहा कि, जवानों से संपर्क कर रहे हैं जो भी जानकारी मिलेगी दी जाएगी।

नवंबर में घट गई खुदरा महंगाई

-अक्टूबर में 14 महीने के हाई पर थी महंगाई

नई दिल्ली।

महंगाई के मोर्चे पर भारत के लिए अच्छी खबर आई है। गुरुवार को सरकार ने नवंबर में महंगाई दर के आंकड़े जारी किए, जो देश की जनता के लिए राहत भरे हैं। दरअसल, अक्टूबर महीने में खुदरा महंगाई तेजी से बढ़ते हुए 6 फीसदी के पार निकल गई थी, लेकिन नवंबर महीने में ये गिरकर 5।48 फीसदी रह गई है। सरकार ने बताया कि खाद्य पदार्थों, खासकर सब्जियों की कीमतों में आई नरमी के चलते महंगाई घटी है। बुधवार को ही आरबीई के गवर्नर का पद संभालने वाले संजय मल्होत्रा के लिए ये पहली गुड न्यूज है। गौरतलब है कि आरबीआई ने महंगाई दर को 4-6 फीसदी के दायरे में रखने का लक्ष्य तय किया है और नवंबर में ये फिर 6 फीसदी से नीचे आ गई है।

भारत की खुदरा महंगाई दर इससे पिछले अक्टूबर में बढक़र 6.21 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। जो कि सितंबर में 5.49 प्रतिशत थी। ऐसा माना जा रहा था कि त्यौहारी सीजन में हाई फूड प्राइस के कारण महंगाई दर में इजाफा हुआ है। अगस्त 2023 के बाद यह पहली बार था जब महंगाई भारतीय रिजर्व बैंक की 6 प्रतिशत की सहनीय सीमा को पार कर गई। सितंबर में मुद्रास्फीति जुलाई के बाद पहली बार आरबीआई के मध्यम अवधि के लक्ष्य 4 प्रतिशत को पार कर गई, जो 5.49 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। यानी कि महंगाई में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है, जो आम लोगों की जेब पर असर डाल रहा है।

सब्जियों-दाल के दाम घटे

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी सीपीआई डाटा को देखें, तो नवंबर में खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर घटकर 9.04 फीसदी पर आ गई, जो कि अक्टूबर महीने में 10.87 फीसदी पर पहुंच गई थी। वहीं बीते साल नवंबर 2023 में ये 8.70 फीसदी थी। एनएसओ के मुताबिक, नवंबर 2024 के दौरान सब्जियों, दालों और फूड प्रोडक्ट्स, चीनी और मिठाई, फलों, अंडों, दूध मसालों की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। नवंबर महीने में अनाज की महंगाई दर 6.88 फीसदी दर्ज की गी, जो कि अक्टूबर में 6.94 फीसदी थी।

दालों की अगर बात करें, तो इन पर महंगाई दर 7.43 फीसदी से घटकर 5.41 फीसदी पर आ गई।

जुलाई-अगस्त में नरमी, फिर आया था उछाल

बता दें कि सीपीआई आधारिक रिटेल महंगाई दर जुलाई-अगस्त महीने में औसतन 3.6 फीसदी के स्तर पर था, लेकिन फिर सितंबर महीने में ये उछलकर 5.5 फीसदी पर पहुंची और अक्टूबर महीने में ये आरबीआई का तय दायका तोड़ते हुए 6.21 फीसदी पर पहुंच गई थी। यहां बता दें कि बीते सप्ताह ही भारतीय रिजर्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए महंगाई दर के अनुमान को 4.5 फीसदी से बढ़ाकर 4.8 फीसदी किया था।

भीड़ एनआईए से मुफ्ती को छुड़ा ले गई

विदेशी फंडिंग मामले में पकड़ा था, मस्जिद से अनाउंसमेंट के बाद उग्र हुए लोग

झांसी।

उत्तर प्रदेश के झांसी में शहर काजी के भतीजे मुफ्ती खालिद नदवी को उग्र भीड़ राष्ट्रीय जांच एजेंसी की हिरासत से छुड़ाकर ले गई। एनआईए यूपी एटीएस के साथ विदेशी फंडिंग मामले में बुधवार रात 2.30 बजे सुपर कॉलोनी में मुफ्ती के घर छापा मारा। टीम ने 8 घंटे तक घर में तलाशी और पूछताछ की। गुरुवार सुबह जब मुफ्ती को हिरासत में लेकर टीम घर से बाहर निकलने लगी तो समर्थकों ने विरोध शुरू कर दिया। टीम ने समझाने की कोशिश की, लेकिन मुफ्ती के समर्थक बहस करने करते हुए उग्र हो गए। देखते ही देखते वहां 200 से अधिक लोगों की भीड़ जमा हो गई, इनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। भीड़ मुफ्ती को छुड़ाकर ले जाने लगी। एनआईए ने लोगों को खदेड़ने की कोशिश की। इस बीच झड़प और धक्का-मुक्की हुई। लोग मुफ्ती को खींचकर साथ ले गए। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र के अलीगोल खिडक़ी के पास सलीम बाग की है। इस दौरान हंगामा कर रहे लोगों और परिवार के लोगों को समझाया, फिर सभी माने। पुलिस को इसमें 3 घंटे का वक्त लग गया।

भजनलाल सरकार के एक साल पूरे, 17 दिसंबर को पीएम मोदी ईआरसीपी का शिलान्यास करेंगे

शर्मा सरकार 5 दिन कार्यक्रम आयोजित करेगी

जयपुर ।

राजस्थान में भजनलाल शर्मा सरकार को एक साल पूरा होने जा रहा है। 15 दिसंबर को राजस्थान की बीजेपी सरकार की पहली वर्षगांठ हैं। इस मौके को यादगार बनाने के लिए शर्मा सरकार 5 दिन कार्यक्रम आयोजित करेगी। गुरुवार सुबह प्रदेश के सभी जिलों में रन फॉर विकसित राजस्थान के आयोजन के साथ इन कार्यक्रमों की शुरुआत है।

संभवत पहली बार ऐसा हो रहा है कि भजनलाल सरकार कार्यक्रम राजधानी जयपुर से बाहर भी कर रही है। इस बार जोधपुर, अजमेर और उदयपुर संभाग में भी राज्यस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। जोधपुर में गुरुवार को युवा सम्मेलन, अजमेर में 13 को किसान सम्मेलन और उदयपुर में 14 को महिला सम्मेलन का राज्यस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। 15 दिसंबर को जयपुर में सरकार के पिछले एक साल के कार्यक्रमों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। वहीं 17 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बीजेपी सरकार की पहली वर्षगांठ पर महत्वकांक्षी योजना ईआरसीपी का शिलान्यास करने वाले है। इस मौके पर प्रदेश की कई अन्य योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी होगा।

15 हजार को नियुक्ति, 85 हजार पदों पर भर्ती गुरुवार को जोधपुर के मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर मे आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेशभर में 15 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र वितरित किया। वहीं, इस मौके पर सीएम 85 हजार से अधिक पदों पर भर्ती प्रक्रिया की शुरुआत करने वाले है। उत्सव के दौरान सीएम 155 स्टार्टअप को फंडिंग, 1 लाख 25 हजार छात्राओं को साइकिल, 75 हजार 325 विद्यार्थियों को व्यवसायिक टूल किट, 23 हजार 100 विद्यार्थियों को टैबलेट और 21 हजार बालिकाओं को स्कूटी भी वितरित करने वाले है।

किसानों को मिलेगी किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त

13 दिसंबर को अजमेर में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त के साथ ही अन्य योजनाओं के तहत किसानों के खातों में राशि का ट्रांसफर किया जाएगा। इस मौके पर प्रदेश के किसानों को कृषि में नवाचारों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। वहीं पशुपालकों के लिए गोपाल क्रेडिट कार्ड वितरण सहित कृषि कल्याण की अन्य योजनाओं के बारे में भी किसानों को बताया जाएगा।

उदयपुर में 14 दिसंबर को महिला सम्मेलन आयोजित होगा। महिला सम्मेलन के तहत 1 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाने, 10 हजार स्वयं सहायता समूहों को रिवॉल्विंग फंड और कम्यूनिटी इन्वेस्टमेंट फंड से आर्थिक सहायता देने, स्वयं सहायता समूह सदस्यों को आर्थिक संबल देने के क्रम में राजसखी पोर्टल की शुरूआत होगी। वहीं मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना का शुभारंभ भी होगा। इस मौके पर सीएम भजनलाल शर्मा लाड़ो प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्रथम किश्त का हस्तांतरण भी लाभार्थी महिलाओं के अकाउंट में करने वाले है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विरासत के साथ विकसित मध्यप्रदेश निर्माण के संकल्प का एक वर्ष

मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नदी जोड़ो के स्वप्न को मध्यप्रदेश में धरातल पर उतारा जा रहा है। 17 दिसंबर को पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना तथा 25 दिसंबर को केन-बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा किया जायेगा। यह आनंद का विषय है कि मध्यप्रदेश देश में पहला ऐसा राज्य है जहां 2 नदी जोड़ो परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है।

(लेखक- डॉ. मोहन यादव)

देश का हृदय प्रांत मध्यप्रदेश गौरवशाली इतिहास और विश्वविख्यात सांस्कृतिक परंपराओं के लिये प्रसिद्ध है। सृष्टि के आरंभ से लेकर अब तक मानव सभ्यता के कई चिन्ह मध्यप्रदेश की धरती पर हैं। यहां पर्याप्त भू-संपदा, वन-संपदा, जल-संपदा, और खनिज-संपदा है। हम विगत एक वर्ष में विकसित मध्यप्रदेश निर्माण के साथ प्रदेश की विरासत को सहेजने के संकल्प को लेकर आगे बढ़े हैं। यह हमारा सौभाग्य है कि डबल इंजन की सरकार का लाभ मध्यप्रदेश और प्रदेशवासियों को मिल रहा है। इस विशेष संयोग में प्रदेश ने नवाचारों के साथ विकास के कई कीर्तिमान स्थापित किये हैं। इन दिनों प्रदेश में जनकल्याण पर्व मनाया जा रहा है। यह प्रदेश की समृद्धि का उत्सव है। इसमें भविष्य की कई संभावनाएं आकार लेंगी। शासन-प्रशासन और प्रदेशवासी सभी मिलकर विकास की गंगा बहाएंगे। आपकी सरकार, आपके द्वार होगी और जनता के हित जनता तक पहुंचेंगे। इसमें नई सौगातें भी शामिल होंगी। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नदी जोड़ो के स्वप्न को मध्यप्रदेश में धरातल पर उतारा जा रहा है। 17 दिसंबर को पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना तथा 25 दिसंबर को केन-बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा किया जायेगा। यह आनंद का विषय है कि मध्यप्रदेश देश में पहला ऐसा राज्य है जहां 2 नदी जोड़ो परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। इससे जलस्रोत परस्पर जुड़ेंगे तो धरती का जल स्तर सुधरेगा, हमारे गांव और क्षेत्रों को पानी सुलभ होगा तथा अन्नदाता को सिंचाई के लिये पर्याप्त पानी मिलेगा। प्रदेश में जिस तरह कृषि, उद्योग, पर्यटन और आध्यात्मिक पर्यटन के लिये संभावनाएं विकसित हो रही हैं। इसमें औद्योगिक क्रांति, हरित क्रांति और पर्यटन क्रांति की त्रिवेणी से गरीबी पूर्णतः समाप्त हो जायेगी। पिछले दिनों रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित करके मध्यप्रदेश के गांव-गांव को औद्योगीकरण और आधुनिक उत्पाद से जोड़ने का प्रयत्न किया गया है। भविष्य में जिला स्तर पर भी इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित होंगी। हैदराबाद, कोयंबटूर तथा मुंबई में रोड-शो और यूके-जर्मनी के उद्योगपतियों को निवेश के लिये प्रदेश में आमंत्रित करना उद्योग विस्तार का उपक्रम है। क्षेत्रीयता से लेकर ग्लोबल स्तर तक उद्योग के लिये किया गया यह पहला नवाचार है। प्रधानमंत्री जी ने विकसित भारत निर्माण के लिये ज्ञान (त्ड्डह) गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के सम्मान की बात कही है। हमने इन्हीं 4 आधार स्तंभों पर केंद्रित समग्र विकास का रोडमैप तैयार किया है। प्रदेश सरकार गरीब कल्याण, युवा शक्ति, किसान-कल्याण और नारी शक्ति मिशन लागू करने जा रही है। हमारा लक्ष्य है अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति का कल्याण हो, उन्हें बेहतर भविष्य निर्माण का अवसर मिले। प्रदेश में हर गरीब की पढ़ाई, लिखाई, दवाई, नौकरी और रहने-खाने से लेकर जीवन की हर जरूरत को सरकार पूरा कर रही है। अब गरीब-कल्याण मिशन में होने वाली गतिविधियों और कार्यों से हर गरीब के जीवन-स्तर में सुधार आयेगा, उनकी समृद्धि से प्रदेश के विकास को गति मिलेगी। यह गरीबों के प्रति हमारी संवेदनशीलता ही है कि हुकुमचंद मिल के 30 साल पुराने विवाद से लेकर श्रमिकों की मिल से जुड़ी हर समस्या का हल निकाला और उन्हें उनका अधिकार दिलाया है, वहीं गंभीर बीमारी के गरीब मरीजों के लिये एयर एंबुलेंस सेवा भी शुरू की है। राष्ट्र को समृद्ध बनाने की शक्ति युवाओं में है। आवश्यक है कि युवा कर्मशील हो, विचारशील हो और अपनी परंपराओं से जुड़ा हुआ हो। इसी अनुरूप युवाओं को शिक्षण और प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में तैयार राष्ट्रीय शिक्षा नीति सबसे पहले मध्यप्रदेश में लागू हुई। यहां स्किल्ड युवा तैयार हो रहे हैं। प्रदेश के सभी जिलों में पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस से उत्कृष्ट शिक्षा मिलेगी, भारतीय ज्ञान परंपरा और युगानुकूल शिक्षा के समावेश से युवाओं को अपनी समृद्ध विरासत का ज्ञान होगा और बेहतर भविष्य निर्माण के द्वार खुलेंगे। हर विकासखंड में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के निर्माण से गांव-गांव से खेल प्रतिभाएं उभरकर आएंगी। युवा शक्ति मिशन में प्रदेश के युवाओं की शिक्षा, आधुनिक तकनीकी में योग्यता और कौशल निर्माण के साथ सर्वांगीण विकास की लक्ष्य प्राप्ति शामिल है। प्रदेश में स्किल्ड युवा अपना स्व-रोज़गार स्थापित कर रहे हैं। वहीं शासकीय सेवाओं में लगभग ढाई लाख युवाओं की भर्ती का अभियान भी शुरू हो गया है। मध्यप्रदेश कृषि प्रधान प्रांत है। किसान कल्याण मिशन में कृषि की उपज बढ़ाने की दिशा में ठोस प्रयास किये जायेंगे। अगले 5 वर्ष में सिंचाई का रकबा 50 लाख हेक्टेयर से 1 करोड़ हेक्टेयर किया जायेगा। अन्नदाता को शून्य प्रतिशत ब्याज पर ऋण देने के साथ खाद, बीज से लेकर उपज की बिक्री तक की व्यवस्था की गई है। किसानों के खेत में सोलर पंप लगाए जाएंगे, जिससे वे अपने उपयोग के लिये अपनी बिजली स्वयं बनायेंगे। हम प्रयासरत हैं कि जल की एक-एक बूंद का लाभ किसानों को मिले। हम चाहते हैं कि किसान चिंता मुक्त होकर खेती करें और खुशहाल जीवन जियें। हर किसान को गौ-पालक और हर घर को गौ-रक्षक बनाने का प्रयास है। मध्यप्रदेश न केवल कृषि उत्पादन में देश में शीर्ष पर हो, बल्कि दुग्ध उत्पादन और दुग्ध निर्यातक प्रदेश बने इसीलिये मध्यप्रदेश में गौ-वंश पालन के लिये अनुदान दिया जा रहा है।

परिवार, समाज, राष्ट्र और सृष्टि निर्माण के केन्द्र में है नारी

भारतीय दर्शन में नारी के महत्व का उल्लेख है। महिला कल्याण के लिये नारी शक्ति मिशन में महिलाओं का आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक और राजनीतिक सशक्तिकरण किया जायेगा। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जहां शासकीय सेवाओं में महिलाओं का आरक्षण 33 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत किया गया है। बहनों के मान-सम्मान और स्वाभिमान के लिये लाड़ली बहना योजना से महिलाओं को और सेनिटेशन एवं हाइजीन योजना से प्रदेश की लाखों बालिकाओं को आर्थिक संबल दिया है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक से सांस्कृतिक पुनरुत्थान का कार्य हो रहा है। प्रदेश में समृद्ध और गौरवशाली विरासत को सहेजने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। श्रीराम वन गमन पथ, श्रीराम के कर्तव्य पालन और राष्ट्र निर्माण का समर्पण संपूर्ण भारत को एक सूत्र में बांधने का आधार देगा। श्रीकृष्ण पाथेय में उन सभी स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया जा रहा है जहां श्रीकृष्ण के स्मृति चिन्ह हैं। उन स्थलों पर कर्म, कर्तव्य, धर्म-संस्कृति से संबंधित गीता का संदेश और श्रीकृष्ण की लीलाओं को उकेरा जायेगा, जिससे लोग कर्मयोग के प्रति जागरूक हों तथा कर्मशील-धर्मशील नागरिक बनें। मध्यप्रदेश सरकार जनमत और जन-भावना का प्रतिबिंब है। हमारा समाज अपनी विरासत को सहेज कर चलता है, इसीलिये समाज द्वारा निर्मित सरकार ने भी समाज के साथ अपने उत्सव आयोजनों को मिलकर मनाने की शुरुआत की है। मेरा प्रयास रहा है कि प्रदेश की जनता का जीवन सहज, सरल और सुगम हो। जनता की सुविधा के लिये साइबर तहसील से घर बैठे नामांतरण, बंटवारा, ई-पंजीयन की ऑनलाइन व्यवस्था की गई। थानों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण से संकट की स्थिति में लोगों को त्वरित राहत मिलेगी। उज्जैन में मेडिसिटी का निर्माण, 51 मेडिकल कॉलेज खोलने की पहल से प्रदेशवासियों के स्वास्थ्य की गारंटी, इंदौर-मनमाड़ रेल लाइन, राष्ट्रीय राजमार्ग सुदृढ़ीकरण और मेट्रोपोलिटन सिटी निर्माण से विकास में गुणात्मक वृद्धि होगी। प्रधानमंत्री जी का संकल्प है, स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक देश को विश्व की सर्वोच्च शक्ति के रूप में स्थापित करना। मध्यप्रदेश, भारत की इस विकास यात्रा में सहभागी बनने के लिये प्रतिबद्ध है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दोगुना किया जायेगा।

प्रदेश की उन्नति और प्रगति के साथ हमारी सरकार का जो संकल्प पत्र था, उस पर तेजी से कार्य हो रहा है। आने वाले 4 वर्ष में हम एक-एक संकल्प को पूर्ण करेंगे।

प्रदेश में शुरू हुये जनकल्याण पर्व के अवसर पर प्रदेश की साढ़े आठ करोड़ जनता से मेरा आग्रह है कि गौरवशाली और वैभवशाली भारत निर्माण के लक्ष्य पूर्ति के लिये आइये, हम साथ चलें और साथ बढ़ें।

(लेखक-डॉ. मोहन यादव, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

संपादकीय

नशे के खिलाफ कदम

देश में नासूर बनते नशे के खिलाफ अभियान में यदि 114 वर्षीय धावक फौजा सिंह प्रेरक पदयात्रा कर सकते हैं तो ऊर्जावान युवा-बुजुर्ग क्यों नहीं। 'नशा मुक्त-रंगला पंजाब' अभियान के अंतर्गत निकाले गए नशा विरोधी मार्च में मंगलवार को मैराथन धावक फौजा सिंह के साथ ही पंजाब के राज्यपाल अस्सी वर्षीय गुलाब चंद कटारिया की आठ किलोमीटर की पैदल यात्रा सुर्खियों में रही। निश्चित रूप से पंजाब सरकार की पहल अनुकरणीय है। इसमें दो राय नहीं कि कोई भी बड़ा सामाजिक बदलाव का आंदोलन व्यापक जन भागीदारी से ही सिरे चढ़ सकता है। आज पंजाब समेत देश के अन्य राज्यों में युवा पीढ़ी जिस भयावह तरीके से नशे के दलदल में धंसती जा रही है, वह राष्ट्र के लिये एक गंभीर चुनौती है। जिसका मुकाबला सरकारों के साथ आम आदमी के जुड़ाव से ही संभव है। निश्चित रूप से ऐसी पदयात्रा सिर्फ राजनीतिक निहितार्थों और प्रतीकात्मक रूप से आयोजित नहीं होनी चाहिए। ऐसे अभियान को आंदोलन का रूप देकर इस तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाना चाहिए। साथ ही इस तरह के अभियानों से हासिल उपलब्धियों का मूल्यांकन भी जरूरी है। निस्संदेह, औपचारिकताओं के निर्वहन और मीडिया में सुर्खियां बटोरना ऐसे आंदोलन का लक्ष्य तो कदापि नहीं हो सकता। राज्यपाल महोदय का यह कथन सोलह आने सच है कि इस मुद्दे पर बच्चों को शिक्षित करने के साथ ही महिलाओं की इस आंदोलन में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए। निस्संदेह, नशे के नश्तर से महिलाओं को मर्मांतक पीड़ा सहन करनी पड़ती है। अब चाहे पति हो या बेटा, नशे की लत लगने से पूरा परिवार ही संकट में आ जाता है। इसमें दो राय नहीं कि जब पंजाब की नारी शक्ति एकजुट होकर इस मुहिम का नेतृत्व करेगी तो पंजाब अपने स्वर्णिम दिनों की ओर लौट सकता है। निश्चित रूप से किसी राज्य या देश की जवानी का नशे के सैलाब में डूबना राष्ट्रीय क्षति ही है। इसके लिये नशे की आपूर्ति रोकने से लेकर प्रयोग तक पर नियंत्रण की राष्ट्रव्यापी मुहिम की जरूरत है। निस्संदेह, नशे के तेजी से बढ़ते शिकंजे से न केवल असामयिक मौतों, लाइलाज बीमारियों का खतरा बढ़ता है, बल्कि समाज में अपराधों का सिलसिला भी तेज हो जाता है। देखने में आया है कि बड़े अपराधों से लेकर चोरी छीनाझपटी की घटनाओं के मूल में नशाखोरी की भूमिका होती है। कई आपराधिक घटनाओं के मूल में उन कालेज जाने वाले छात्रों की भूमिका पायी गई है, जो नशे के लिये पैसा जुटाने के लिये अपराध की अंधी गलियों में उतर जाते हैं। यह जानते हुए भी यह रास्ता उनके जीवन को बर्बादी की राह पर ले जाता है। निश्चित रूप से समाज विज्ञानियों को भी व्यापक अध्ययन करना चाहिए कि क्यों नई पीढ़ी नशे की ओर तेजी से उन्मुख हो रही है। एक समय था कि पंजाब में आतंक फैलाने के खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने के लिये सीमा पार से नशे की बड़ी खेप पंजाब भेजी जाती रही है। चरमपंथियों को आर्थिक मदद पहुंचाने के लिये भी इस षड्यंत्र को सुनियोजित तरीके पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठानों ने अंजाम दिया।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यादव पर महाभियोग की तैयारी

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया ने राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के ख़िलाफ़ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया हैद्य कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि इंडिया गठबंधन के दलों के लिए यह बेहद ही कष्टकारी निर्णय रहा है, क्योंकि भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में पहली बार किसी उच्च सदन के सभापति के खिलाफ यह प्रस्ताव लाया गया है लेकिन संसदीय लोकतंत्र के हित में यह अभूतपूर्व कदम उठाना पड़ा है। यह प्रस्ताव अभी राज्यसभा के सेक्रेटरी जनरल को सौंपा गया हैद्य यह विपक्ष की दलील हैद्य विपक्ष का आरोप है कि राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ पक्षपातपूर्ण तरीके से सदन की कार्यवाही का संचालन करते हैं, जबकि सभापति को निष्पक्ष होना चाहिए, चूंकि सदन किसी पार्टी नहीं बल्कि सदन में सभी दलों के लिए होता हैद्य कांग्रेस ने कहा कि भारतीय लोकतांत्रिक राजनीति में सबसे पक्षपाती सभापति के रूप में धनखड़ को याद किया जाएगाद्य

संसद के मौजूदा सत्र की शुरुआत से ही सदन में भारत के जाने माने कारोबारी गौतम अदानी और अन्य कई मुद्दे को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच गतिरोध जारी हैद्य इस सत्र की शुरुआत से ठीक पहले ही गौतम अदानी पर अमेरिका में धोखाधड़ी के आरोप तय किए जाने की ख़बर आई थी, और अमेरिका में अदानी के खिलाफ गिरफ्तारी का वारंट भी जारी किया गया इसके बाद कांग्रेस भाजपा एवं मोदी सरकार पर लगातार निशाना लगा रही है और सदन में चर्चा की मांग कर रही है पिछले कुछ दिनों से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन के बाहर अदानी और सरकार को गिरने के लिए मास्क और टी शर्ट पहनकर आए जिसमें कारोबारी अडानी और मोदी की नजदीकी दिखाई गईद्य जैसा माना जा रहा था, जिस पर सरकार ने आपत्ति दर्ज की। कांग्रेस पार्टी पहले भी कई मुद्दों को लेकर अदानी के मसले पर जेपीसी की मांग करती रही हैद्य नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि हम अडानी के मुद्दे पर सरकार को छोड़ने वाले नहीं है जब तक इसकी तह तक नहीं जाएंगे हम पीछे नहीं हटेंगेद्य अडानी के मुद्दे पर सरकार हमेशा ही बचती रही हैद्य सरकार भी अपनी ज़िद पर अड़ी हुई है और वह इस पर चर्चा नहीं करना चाहती हैद्य किरण रिजिजू ने कहा – मैं एक बार फिर से स्पष्ट तौर पर कह रहा हूं कि एक बार जब संसद सुचारू तौर पर चल रही है तो कांग्रेस पार्टी ने किस वजह से ड्रामा शुरू किया? ऐसे मास्क और जैकेट पहनकर आने कि क्या ज़रूरत है जिसपर स्लोगन लिखे हुए हों...? रिजिजू ने कहा है, हम यहां देश की सेवा करने के लिए आए हैं, इस तरह का ड्रामा देखने के लिए नहीं आए हैं, जो नोटिस कांग्रेस पार्टी और उसके कुछ सहयोगियों ने दिया है, उसे निश्चित तौर पर नामंजूर किया जाना चाहिए और उसे नामंजूर किया जाएगाद्य जबकि जयराम रमेश ने समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में आरोप लगाया है, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने खुद चेयरमैन साहब के सामने कहा कि जब तक आप लोकसभा में अदानी का मुद्दा उठाएंगे, हम राज्यसभा को चलाने नहीं देंगे और इसमें चेयरमैन साहब भी शामिल हैं, चेयरमैन साहब को इसमें अडिग रहना चाहिएद्य

देखा जाए तो राज्यसभा में संख्या बल के लिहाज़ से अविश्वास प्रस्ताव का गिरना तय माना जा रहा है क्योंकि विपक्ष के पास जरूरी संख्या बल नहीं है और और वे इसे पास नहीं करा पाएंगेद्य यह बात प्रस्ताव पेश करने वाले विपक्षी दलों को भी अच्छी तरह मालूम है, लेकिन गौर करने वाली बात है देश के संसदीय इतिहास में पहली बार सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आना खुद सभापति जगदीप धनखड़ और सरकार के लिए शर्मिंदगी की बात हैद्य उच्च सदन के सभापति का पद बहुत ही सम्माननीय पद होता है जिसकी इज्जत देश की प्रतिष्ठा के साथ जुड़ी हुई होती है, सभापति किसी पार्टी विशेष का नहीं होता उसका नज़रिया सभी पार्टियों के लिए बराबरी का होना चाहिए, निष्पक्ष होना चाहिए, पक्षपाती पूर्ण नहीं होना चाहिए, ऐसी उम्मीद की जाती है, और की जानी चाहिएद्य अब चूंकि उच्च सदन के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है तो इस अविश्वास प्रस्ताव पर बहस होगी, जिसमें विपक्ष सभापति धनखड़ के जाने – अनजाने पहलूओं पर बात करेगाद्य यानी उनके पक्षपातपूर्ण बर्ताव के अलावा भी उनके बारे में वे सारी बातें कही जाएंगी, जो आम लोग नहीं जानते हैं या बहुत कम लोग जानते हैंद्य यह किसी भी सभापति के लिए बेहद निराशाजनक है, क्योंकि सभापति की इज्जत सभी दलों के लिए अनिवार्य होती हैद्य पिछले कई सालों से देखा गया है की निम्न सदन एवं उच्च सदनों के सभापतियों का रवैया बेहद खराब रहा हैद्य सदन के अंदर ही विपक्ष के नेताओं को क्या-क्या नहीं कहा जाता है लेकिन कई बार सभापति उन्हें ठोकते नहीं जो किसी भी तरह से सही नहीं कहा जा सकताद्य यह अविश्वास प्रस्ताव भविष्य में आने वाले किसी भी सभापति के लिए एक नजीर की तरह हो सकताद्य एक सबक हो सकता है कि उन्हें निष्पक्ष रहना है सत्ता के हाँ में हां नहीं मिलना हैद्य अतः विपक्ष की भी सुनना है और उन्हें संरक्षण भी देना है यह नैतिक जिम्मेदारी होती है। हालांकि इतना सब होने के बाद भी धनखड़ जी रवैये में कोई गुणात्मक बदलाव नहीं होगाद्य वैसे भी सरकार ने तो उन्हें आज ही ईमानदार एकदम निष्पक्ष होने का प्रमाणपत्र दे दिया हैद्य सरकार की ओर से कहा गया है कि राज्यसभा को धनखड़ जैसा सभापति मिलना मुश्किल हैद्य इस अविश्वास प्रस्ताव के बाद सदन में क्या होगा क्या नहीं होगा यह कहना बड़ा कठिन है. हालांकि लोकतंत्र में पहले क्या नहीं हुआ है, अब क्या हो रहा है यह सब समय और परिस्थितियों पर निर्भर करता है, क्योंकि लोकतंत्र में बदलाव आते रहते हैंद्य सरकार सभापति को संख्याबल के हिसाब से बचा भी लेगी लेकिन यह अविश्वास प्रस्ताव सभापति जगदीप धनखड़ के लिए एक झटका है, जिसकी उन्होंने कभी कल्पना नहीं की होगी.

(चिंतन-मनन)

सबसे बड़ा दरिद्र

सिंहगढ़ राज्य की सीमा के पास एक गांव सोनपुर में एक महात्मा अपने दो शिष्यों के साथ आ पहुंचे। वहां की शांति और हरियाली देख कुछ दिन वे वहीं ठहर गए। एक दिन महात्मा जी जब भिक्षा मांगने जा रहे थे, सड़क पर एक सिक्का दिखा, जिसे उठाकर उन्होंने झोली में रख लिया। दोनों शिष्य इससे हैरान थे। वे मन में सोच रहे थे कि काश सिक्का उन्हें मिलता, तो वे बाजार से मिठाई ले आते।

महात्मा जी भांप गए। बोले-यह साधारण सिक्का नहीं है, मैं इसे किसी सुपात्र को दूंगा। पर कई दिन बीत जाने के बाद भी उन्होंने सिक्का किसी को नहीं दिया। एक दिन महात्मा जी को खबर मिली कि सिंहगढ़ के महाराज अपनी विशाल सेना के साथ उधर से गुजर रहे हैं। महात्मा जी ने शिष्यों से कहा, वत्स! सोनपुर छोड़ने की घड़ी आ गई। शिष्यों के साथ महात्मा जी चल पड़े। तभी राजा की सवारी आ गई। मंत्री ने राजा को बताया कि ये महात्मा जा रहे हैं। बड़े ज्ञानी हैं। राजा ने हाथी से उतर कर महात्मा जी को प्रणाम किया और कहा, कृपया मुझे आशीर्वाद दें। महात्मा जी ने झोले से सिक्का निकाला और राजा की हथेली पर उसे रखते हुए कहा, हे सिंहगढ़ नरेश, तुम्हारा राज्य धन-धान्य से संपन्न है। फिर भी तुम्हारे लालच का अंत नहीं है। तुम और पाने की लालसा में युद्ध करने जा रहे हो।

मेरे विचार में तुम सबसे बड़े दरिद हो। इसलिए मैंने तुम्हें यह सिक्का दिया है। राजा इस बात का मतलब समझ गए। उन्होंने सेना को वापस चलने आदेश दिया।

विचार मंथन

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यादव पर महाभियोग की तैयारी

(लेखक- सनत जैन)

न्यायपालिका लोकतंत्र का वह स्तंभ है जिस पर संविधान की रक्षा और नागरिक अधिकारों को सुनिश्चित कराने की महत्वपूर्ण संवैधानिक जिम्मेदारी है। लेकिन जब न्यायपालिका की निष्पक्षता या आचरण पर सवाल उठने लगते हैं, तो स्पष्ट है कि वह अपनी भूमिका का सही तरीके से निर्वहन नहीं कर पा रही है। यह स्थिति देश के लोकतांत्रिक ढांचे और नागरिकों के अधिकारों पर गहरा प्रभाव डालती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश शेखर यादव के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव इसी पृष्ठभूमि में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है। लोकसभा के 100 से अधिक सांसदों और राज्यसभा के 50 सांसदों ने मिलकर महाभियोग की तैयारी शुरू की है। न्यायाधीश यादव की विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में आपत्तिजनक टिप्पणियां और एक धर्म विशेष के धर्म गुरुओं पर टीका टिप्पणी करने का आरोप है। यह आरोप संविधान में निहित धर्मनिरपेक्षता और न्यायपालिका की निष्पक्षता के सिद्धांत के खिलाफ है। संविधान में प्रदत्त नियमों के अनुसार किसी भी न्यायाधीश को हटाने की गंभीर प्रक्रिया है। संविधान के अनुच्छेद 124 (4) और 124 (5) के तहत महाभियोग प्रस्ताव को संसद के दोनों सदनों में भारी समर्थन की आवश्यकता होती है। महाभियोग के लिए राज्यसभा के 50 सांसदों और लोकसभा में 100 सांसदों का समर्थन प्राप्त करना अनिवार्य होता है।

इस प्रक्रिया का उद्देश्य न्यायपालिका की स्वतंत्रता और गरिमा की रक्षा करना है। भारत में न्यायाधीशों के खिलाफ एक या दो मामले में पहले महाभियोग लाए गए हैं। पिछले 75 वर्षों में न्यायपालिका को लेकर राजनेताओं और जनता के मन में हमेशा से विशेष सम्मान रहा है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से न्यायपालिका के निर्णय और न्यायाधीशों का आचरण विवादित रहा है। न्यायालय में हमेशा दो पक्ष होते हैं। 70 फ़ीसदी से अधिक मामलों में एक पक्ष सरकार होती है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका का सरकार के प्रति स्पष्ट रूप से झुकाव देखने को मिलता है। गंभीर मामलों में भी हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में मामलों की सुनवाई को टाल दिया जाता है। तारीख पर तारीख दी जाती है। आमजनों की सुनवाई न्यायपालिका में नहीं हो पा रही है। पिछले कुछ वर्षों में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एक विचारधारा को रखकर निर्णय करने लगे हैं। जिसके कारण संवैधानिक प्रावधान का उल्लंघन न्यायपालिका के माध्यम से ही होने लगा है। न्यायाधीश खुलेआम राजनीतिक धार्मिक एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होकर उनके प्रति निष्ठा व्यक्त करने लगे हैं। अदालतों से जो निर्णय दिए जा रहे हैं, उसमें इसका असर देखने को मिलता है। जिसके कारण पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका की जितनी आलोचना हुई है, पिछले 70 वर्षों में कभी नहीं हुई। न्यायपालिका और न्यायाधीश का आचरण संविधान में मिले नागरिकों के मूलभूत अधिकार और कानून संवत विधायिका और कार्यपालिका काम करे। इसकी जिम्मेदारी संविधान ने न्यायपालिका के ऊपर डाली हुई है। व्यक्तिगत या राजनीतिक लाभ के लिए न्यायपालिका और उसके न्यायाधीश यदि उपयोग करते हैं या सरकार के डर और भय अपने अधिकारों का पालन नहीं करते हैं। इस स्थिति में न्यायाधीशों के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव जायज है। महाभियोग प्रस्ताव का दुरुपयोग न्यायपालिका की साख को कमजोर कर सकता है। महाभियोग की प्रक्रिया संविधान को सुरक्षित बनाए रखने के लिए बहुत आवश्यक है। न्यायपालिका का निर्णय विधायिका और कार्यपालिका के साथ-साथ आम नागरिकों को भी मानना होता है। न्यायाधीशों को अपने कार्यक्षेत्र में निष्पक्ष और निष्कलंक होना चाहिए। ताकि जनता का विश्वास न्यायपालिका पर बना रहे। दूसरी ओर विधायका को यह सुनिश्चित करना होगा, कि न्यायिक स्वतंत्रता पर किसी भी प्रकार का अनावश्यक हस्तक्षेप न हो। वर्तमान महाभियोग का प्रस्ताव न्यायपालिका के आचरण पर विचार करने और इसे अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी बनाने के लिए अति आवश्यक है। महाभियोग प्रस्ताव पर चर्चा करने के बाद संसद तय करेगी। आरोप सत्य साबित होते हैं, तो न्यायाधीश को महाभियोग के जरिए हटाया जा सकता है। न्यायाधीश को यदि अपनी जिम्मेदारियों का एहसास है तो ऐसी स्थिति में न्यायाधीश यादव इस्तीफा देकर अलग हो सकते हैं।

संविधान और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है। महाभियोग प्रस्ताव पर गंभीरता से चर्चा होने की जरूरत है। न्यायपालिका के ऊपर जो विश्वास आम जनता का बना हुआ था वह बना रहना जरूरी है। इसको राजनीतिक धार्मिक या अन्य व्यक्तिगत आधार पर नहीं देखा जाना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

टर्टल वैक्स इंडियाने भोपाल में ऑल- न्यू कार केयर स्टूडियो शुरू किया

भोपाल। शिकागो स्थित पुरस्कार विजेता कार केयर कंपनी टर्टल वैक्स, इंक. ने आज भोपाल, मध्य प्रदेश में भवानी मोटर्स के साथ मिलकर एक और को-ब्रांडेड कार-केयर स्टूडियो शुरू करने की घोषणा की। यह स्टूडियो खसरा नंबर, 78/4, होशंगाबाद रोड, मिसरोद में स्थित है। अत्याधुनिक टर्टल वैक्स 0 डिटेलिंग तकनीकों से सुसज्जित इस स्टूडियो में उच्च योग्यता प्राप्त और प्रशिक्षित कर्मचारियों की टीम है, जो कार उत्साही ग्राहकों की व्यक्तिगत पसंद के अनुसार डिज़ाइन की गयी विस्तृत कार डिटेलिंग सेवाएं और उत्पाद ऑफर करती है। स्टूडियो का उद्घाटन श्रीमती कृष्णा गौर जी, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), मध्य प्रदेश सरकार द्वारा अन्य महत्वपूर्ण गणमान्य व्यक्तियों के साथ किया गया।भवानी मोटर्स को कार केयर और डिटेलिंग में वर्षों का अनुभव है, जो अब भोपाल में टर्टल वैक्स की डिटेलिंग इनोवेशन और विशेषज्ञता के साथ जुड़ा है। यह साझेदारी सर्वोत्तम गुणवत्ता और ग्राहक सेवा के माध्यम से उपभोक्ताओं को पेशेवर वाहन देखभाल और स्वच्छता की मांग को पूरा करने के उद्देश्य से की गई है। इस स्टूडियो में टर्टल वैक्स की सिरेमिक और ग्रेफीन रेंज से कई तरह के केयर पैकेज उपलब्ध हैं, जो नवीनतम तकनीकों का उपयोग करते हुए बेहतरीन परिणाम देते हैं। ग्राहक अब कार केयर स्टूडियो में, पेटेंटेड ग्राफीन तकनीक के साथ हाइब्रिड सॉल्यूशंस और हाइब्रिड सॉल्यूशंस प्रो जैसे टर्टल वैक्स 0 के प्रसिद्ध डिटेलिंग उत्पादों द्वारा पेशेवर परिणामों का अनुभव कर सकते हैं। साजन मुरली पुरवंगारा, मैनेजिंग डायरेक्टर, टर्टल वैक्स कार केयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेडने कहा, हमने मध्य प्रदेश में कार केयर में बढ़ती रुचि देखी है और यहां भोपाल में एक और कार केयर स्टूडियो खोलने का निर्णय लिया है। इस नए स्टूडियो के साथ, हमारा उद्देश्य राज्य में बेहतरीन गुणवत्ता वाली कार डिटेलिंग सेवाएं प्रदान करना है। ब्रांड को अद्वितीय डीआईएफएम सेवाओं का अनुभव करने के लिए श्रेणियों और उत्पादों की सबसे बड़ी रेंज उपलब्ध होने पर गर्व है। हमें विश्वास है कि भवानी मोटर्स के साथ हमारी साझेदारी हमें इस क्षेत्र में उत्कृष्ट कार केयर सेवाएं और लाभ प्रदान करने में मदद करेगी। हम अपने डीलर नेटवर्क पर गर्व महसूस करते हैं और आने वाले वर्षों में इसे मजबूत करते हुए देश के टियर टू और टियर थ्री शहरों में भी अपनी उपस्थिति बढ़ाएंगे।

सुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट लिमिटेड का आईपीओ 11 दिसंबर, 2024 को खुला

मुंबई, एजेंसी। सुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट लिमिटेड, जो समग्र इंटीग्रेटेड फैसिलिटी मैनेजमेंट और सपोर्ट सर्विसेज में विशेषज्ञता रखता है, अपनी प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) बुधवार, 11 दिसंबर, 2024 को खोलने का प्रस्ताव करता है। इश्यू साइज 10 प्रति अंकित मूल्य के 65,79,200 इक्विटी शेयरों तक है, जिसमें प्रति शेयर 72 - 76 का प्राइस बैंड है। आईपीओ से प्राप्त आय का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने, कंपनी के संचालन के अतिरिक्त उच्च मार्जिन वाले व्यवसायों के रणनीतिक अधिग्रहण के माध्यम से अवयवात्मक पहलों को बढ़ावा देने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। यह इश्यू शुक्रवार, 13 दिसंबर, 2024 को समाप्त होगा। इश्यू का बुक रनिंग लीड मैनेजर खांडवाला सिक्योरिटीज लिमिटेड है, और इश्यू का रजिस्ट्रार के.फिन टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड है।अमोल शिंगटे, सीईओ और निदेशक, सुप्रीम फैसिलिटी मैनेजमेंट लिमिटेड ने कहा, यह अत्यंत उत्साह के साथ है कि हम अपने आगामी आईपीओ की घोषणा कर रहे हैं।

ब्लू ओशन कॉर्पोरेशन ने आईआईएलएम विश्वविद्यालय के साथ की पार्टनरशिप

दिल्ली, एजेंसी। भारत के लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन क्षेत्र में स्किल की कमी को दूर करने के लिए सप्लाई चेन ट्रेनिंग और कंसल्टिंग में ग्लोबल लीडर ब्लू ओशन कॉर्पोरेशन ने आईआईएलएम यूनिवर्सिटी के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (मेमोरेंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस स्ट्रेटेजिक पार्टनर्शिप से ब्लू ओशन के लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम को, एसोसिएशन फॉर सप्लाई चेन मैनेजमेंट (एएससीएम) के फाउंडेशन कोर्स के साथ जोड़कर आईआईएलएम यूनिवर्सिटी के सिलेबस के साथ लाया जाएगा। ब्लू ओशन कॉर्पोरेशन के ग्रुप सीईओ डॉ. सत्या मेनन और आईआईएलएम यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. (डॉ.) तरुण गौतम ने 3 दिसंबर, 2024 को ग्रेटर नोएडा में यूनिवर्सिटी कैंपस में एक ऑफिसियल सेरेमनी के दौरान एक एमओयु पर हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम में ब्लू ओसियन कॉर्पोरेशन दिल्ली के डायरेक्टर

- संचालन श्री दीपक महाजन, स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के डायरेक्टर डॉ. निहार अमोनकर, स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट के डीन डॉ. अखिल दामोदरन और एसोसिएट डीन डॉ. एकता सारस्वत की सम्मानित उपस्थिति ने प्रतिष्ठा को दोगुना कर दिया।

यह कोलैबोरेशन आईआईएलएम के छात्रों को तेजी से बढ़ती इंडियन लॉजिस्टिक्स इंडस्ट्री में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए स्किल्स और नॉलेज से लैस करने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जिसका अनुमान 2029 तक 317.3 बिलियन डॉलर से बढ़कर 484 बिलियन डॉलर हो जाने का है।

यह कोलैबोरेशन न केवल लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट और एडवांस्ड सप्लाई चेन स्ट्रेटेजी की समझ प्रदान करता है, बल्कि प्रतिभागी को एएससीएम, युएसऐ से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणपत्र भी प्रदान करता है। यह सर्टिफिकेशन करंट जॉब मार्किट में वैल्यू एड करता है, क्योंकि कई मल्टीनेशनल कॉर्पोरेशन (एमएनसी) भारत में इन्वेस्ट करना चाहते हैं और ग्लोबल सर्टिफिकेशन वाले स्किल्ड प्रोफेशनल की सक्रिय रूप से तलाश कर रहे हैं। ऐसी योग्यता से स्नातकों के लिए रोजगार और कैरियर की संभावनाएं मजबूत होती हैं, जिससे वे बढ़ते लॉजिस्टिक्स इंडस्ट्री में अग्रणी बन जाते हैं। ब्लू ओशन कॉर्पोरेशन के ग्रुप सीईओ डॉ. सत्या मेनन ने कहा, भारत का लॉजिस्टिक्स सेक्टर परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, और यह कोलैबोरेशन सुनिश्चित करेगा कि प्रोफेशनल्स की अगली पीढ़ी उस परिवर्तन को आगे बढ़ाने के लिए जरुरी एडवांस्ड स्किल्स से लैस हो। हमारे कार्यक्रम को आईआईएलएम के सिलेबस में लाकर, हम लॉजिस्टिक्स एक्सीलेंस के एक नए युग की नींव रख रहे हैं,

ब्लू क्लाउड सॉफ्टेक सॉल्यूशंस लिमिटेड को 15 मिलियन अमेरिकी डॉलर का ऑर्डर प्राप्त हुआ

मुंबई, एजेंसी। ब्लू क्लाउड सॉफ्टेक (बीसीएस) (बीएसई: 539607), एक नवाचारपूर्ण एआईओटी सॉल्युशंस प्रदाता और विभिन्न क्षेत्रों में एआई-प्रेरित सॉल्युशंस में विशेषज्ञता रखने वाली अग्रणी कंपनी ने घोषणा की है कि उसने अपने ब्लूपोर्ट- मोबाइल डिवाइस सॉल्युशंस (एमडीएम) प्लेटफॉर्म को वितरित करने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जो विशेष रूप से बायोमेडिकल उपकरणों के प्रबंधन को ऑप्टीमाइज करने के लिए डिज़ाइन किया गया है बीएलयूपोर्ट एक अत्याधुनिक प्लेटफॉर्म है जो विशेष रूप से स्वास्थ्य संगठनों के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह हेल्थकेयर संगठनों को उन्नत तकनीकों का लाभ उठाकर अपने बायोमेडिकल डिवाइस प्रबंधन को बेहतर बनाने में सक्षम बनाता है जो मज़बूत सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। इसमें मजबूत एन्क्रिप्शन, रिमोट प्रबंधन क्षमताएं, और विस्तृत पहुंच नियंत्रण शामिल हैं। हम चिकित्सा उपकरणों के लिए सुरक्षित ऑपरेटिंग सिस्टम विकास के साथ-साथ एमडीएम ऑर्डर प्राप्त करने को लेकर उत्साहित हैं और स्वास्थ्य क्षेत्र में अपने नवाचारी समाधानों को लाने के लिए तत्पर हैं, ब्लू क्लाउड सॉफ्टेक सॉल्यूशंस लिमिटेड की श्रीमती जनकी यार्लगड्डा ने कहा। उन्होंने यह भी कहा कि बीएलयूपोर्ट को संगठनों को उनके बायोमेडिकल डिवाइसेज़ को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे अंततः मरीजों के परिणामों में सुधार होता है। यह प्लैटफ़ॉर्म रिमोट कॉन्फ़िगरेशन, केंद्रीकृत इन्वेंट्री ट्रैकिंग और समय पर फ़र्मवेयर अपडेट जैसी सुविधाओं के ज़रिए डिवाइस सॉल्युशंस को सुव्यवस्थित करता है।

यश हाईवोल्टेज लिमिटेड का आईपीओ 12 दिसंबर को खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। यश हाईवोल्टेज लिमिटेड, जो हाई वोल्टेज और हाई करंट ट्रांसफॉर्मर बुशिंग्स के प्रमुख निर्माता और वितरक में से एक है, 12 दिसंबर, 2024 को अपना प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम खोलने की योजना बना रहा है। कंपनी का लक्ष्य 110.01 करोड़ तक जुटाना है, और इसके शेयर बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। इश्यू से प्राप्त शुद्ध धनराशि का उपयोग रेज़िन इम्प्रेग्नेटेड पेपर और रेज़िन इम्प्रेग्नेटेड सिंथेटिक ट्रांसफॉर्मर कंडेन्सर ग्रेडेड बुशिंग्स के निर्माण के लिए एक नया कारखाना स्थापित करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। एंकर बोली प्रक्रिया 11 दिसंबर, 2024 को खुलेगी और इश्यू 16 दिसंबर, 2024 को बंद होगा। इश्यू के लिए इंडओरिएंट फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर नियुक्त किया गया है, जबकि बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। यह आईपीओ यश हाईवोल्टेज लिमिटेड की यात्रा में एक महत्वपूर्ण अध्याय है, जो ऊर्जा क्षेत्र में अत्याधुनिक समाधान प्रदान करने में हमारी प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता को दर्शाता है। वर्षों से, हमने उच्च गुणवत्ता वाले ट्रांसफॉर्मर बुशिंग्स के प्रमुख निर्माता के रूप में प्रतिष्ठा अर्जित की है और उद्योग की बदलती आवश्यकताओं को लगातार पूरा किया है। इस आईपीओ से प्राप्त धनराशि हमें रेज़िन इम्प्रेग्नेटेड पेपर और रेज़िन इम्प्रेग्नेटेड सिंथेटिक बुशिंग्स के लिए एक अत्याधुनिक निर्माण सुविधा स्थापित करके हमारी उत्पादन क्षमताओं को बढ़ाने में सक्षम बनाएगी। यह पहल हमारी दक्षता बढ़ाने, उच्चतम गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने और ऊर्जा अवसंरचना क्षेत्र में अग्रणी बने रहने की प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।

हार्डविन इंडिया लिमिटेड ने ग्यालसुंग इन्फ्रा, भूटान के साथ एमओयू साइन किया

मुंबई, एजेंसी। हार्डविन इंडिया लिमिटेड जो आर्किटेक्चरल हार्डवेयर और ग्लास फिटिंग्स में अग्रणी कंपनी है, ने भूटान की द ग्यालसुंग इंफ्रा के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी आवासीय और वाणिज्यिक संरचनाओं के लिए संपूर्ण समाधान प्रदान करने में गर्व महसूस करती है। ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण और विश्व स्तरीय गुणवत्ता के प्रति अडिग प्रतिबद्धता इसकी सफलता का आधार है। हार्डविन इंडिया लिमिटेड की यह रणनीतिक पहल उसे वैश्विक बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने और भूटान के तेजी से विकसित हो रहे बाजार की अपार संभावनाओं का लाभ उठाने का अवसर प्रदान करती है। हार्डविन इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री रुबलजीत सिंह सायल ने कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हार्डविन इंडिया लिमिटेड और द ग्यालसुंग इंफ्रा, भूटान के बीच एक एमओयू पर हस्ताक्षर हुए हैं। इस समझौते के तहत भूटान में ग्यालसुंग इंफ्रा द्वारा किए जाने वाले भवन नवीनीकरण और आगामी परियोजनाओं के लिए सभी आर्किटेक्चरल हार्डवेयर और ग्लास फिटिंग्स की आपूर्ति हार्डविन इंडिया लिमिटेड द्वारा की जाएगी। एमओयू के अनुसार, यह उत्पाद दो वर्षों तक प्रदान किए जाएंगे और इनकी अनुमानित कुल लागत लगभग ?5 करोड़ होगी। यह उपलब्धि हमारे व्यवसाय और हितधारकों के लिए दीर्घकालिक सकारात्मक प्रभाव लाने वाली है। हमें उम्मीद है कि यह समझौता हमारे ग्राहकों, समुदायों और व्यवसाय पर सकारात्मक प्रभाव डालेगा।

अल्टीमेट एक्सटिरियर प्रोटेक्शन : एशियन पेंट्स ने लॉन्च किया ग्राफीन की शक्ति वाला पुनर्नवीनीकरण एपेक्स अल्टिमा प्रोटेक

मुंबई ,एजेंसी। हमारे घरों के बाहरी हिस्सों को लगातार भारी बारिश, तेज धूप और धूल की परेशानी का सामना करना पड़ता है। समय के साथ इसका असर घरों के स्वरुप और स्थायित्व पर पड़ सकता है जिसके चलते घर के मालिकों को लंबी अवधि के समाधान की तलाश करनी पड़ती है।

पूरे भारत में मकान मालिकों के भरोसेमंद एशियन पेंट्स ने घर की बाहरी दीवारों के लिए अपने प्रमुख पेंट एपेक्स अल्टिमा प्रोटेक (लैमिनेशन पेंट के रूप में भी प्रचलित) को ग्राफीन की शक्ति द्वारा एक उच्च स्तर प्रदान किया है। ग्राफीन एक क्रांतिकारी पदार्थ है जिससे बेजोड़ सुरक्षा और ताकत मिलती है। यह पुनर्नवीनीकरण पेंट 12 साल की वारंटी के साथ बाहरी दीवालों की सुरक्षा के लिए शीर्ष विकल्प बनकर उभरा है। अब तक का सबसे हल्का लेकिन सबसे मजबूत पदार्थ ग्राफीन अपनी उच्च ताकत, लचीलेपन और स्थायित्व के साथ उद्योगों में बदलाव ला रहा है।

अब, यह एशियन पेंट्स एपेक्स अल्टिमा प्रोटेक को एक मजबूत अवरोधक बनाता है जो घरों को यूवी फ़ेडिंग, दरारों और पानी से होने वाले नुकसान से बचाता है। ग्राफीन का उन्नत प्रत्यास्थलक (इलास्टोमेरिक) गुण भारतीय घरों के लिए सबसे मजबूत और सबसे विश्वसनीय सुरक्षा है। इस नए अल्टिमा प्रोटेक को जीवंतता प्रदान करने के लिए, एशियन पेंट्स ने ब्रांड एंबेसडर रणबीर कपूर के साथ नये अभियान, द सेफ हाउस की शुरुआत की है। इस विज्ञापन में, रणबीर कपूर को पहली बार एक जासूस के रूप में देखा जा सकता है, जो रोमांचक तरीकों के इस्तेमाल से खतरनाक परिस्थितियों से बच निकलता है।

विज्ञापन मोरक्को के एक बाजार में शुरू होता है जो कि दर्शकों को एक साहसिक मिशन दिखाता है। रणबीर, एक तेज-तर्रार एजेंट के तौर पर अपनी हीरोइन के साथ घुमावदार सड़कों से होते हुए पीछा कर रहे दुश्मनों से बच निकलता है।

इस दौरान जब एक मिसाइल अपने लक्ष्य पर हमला करने को तैयार होती है तो रणबीर चतुराई से सेफ हाउस की ओर भागता है, जो ग्राफीन द्वारा संचालित अल्टिमा प्रोटेक से संरक्षित होता है।

इसके बाद दुश्मन हर विकल्प का इस्तेमाल करता है जिसमें मिसाइल के साथ बिना रुके लगातार हमले करता है लेकिन सेफ हाउस मजबूत टिका रहता है। यह विज्ञापन सूरज की गर्मी, भारी बारिश और लगातार धूल जैसी हर बाधा के खिलाफ अल्टिमा प्रोटेक की सुरक्षा को शानदार ढंग से दर्शाता है।

अभियान जासूसी को नवीनीकरण के साथ मिलाता है यह दिखाने के लिए कि कैसे ग्राफीन द्वारा संचालित अल्टिमा प्रोटेक बेजोड़ प्रदर्शन करता है। द सेफ हाउस बाहरी चुनौतियों से घरों की रक्षा करने में ब्रांड के वादे को दर्शाता है।

आईआईएफएल होम फाइनेंस लिमिटेड ट्रांच के जरिए 100 करोड़ तक जुटाएगा

मुंबई, एजेंसी। आईआईएफएल होम फाइनेंस ने 1,000 रुपए (प्रत्येक) की फेस वैल्यू के सिक्योर्ड, रेटेड, लिस्टेड रिडीमेबल नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) के अपने पब्लिक इश्यू का ऐलान किया है। जिसका बेस इश्यू साइज 100 करोड़ रुपए है, जिसमें 400 करोड़ रुपए तक के ओवरसब्सक्रिप्शन को बनाए रखने का विकल्प है, जो कुल मिलाकर 500 करोड़ रुपए तक है। वहीं यह 3000 करोड़ रुपए (ट्रेंच द्व इश्यू) की शेल्फ लिमिट के अंदर है। सेबी एनसीएस रेगुलेशंस के कंप्लायंस में समय से पहले बंद होने के ऑप्शन के साथ ट्रेंच द्व इश्यू शुक्रवार यानी 6 दिसंबर 2024 को ओपन होगा और गुरुवार 19 दिसंबर 2024 को क्लोज होगा।

एनसीडी को बीएसई और एनएसई बीएसई के साथ एनएसई स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट करने का प्रस्ताव है। एनएसई ट्रेंच आई इश्यू के लिए नामित स्टॉक एक्सचेंज होगा। एनसीडी को क्रिसिल रेटिंग्स लिमिटेड द्वारा क्रिसिल एए/स्टेबल और इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आईएनडी एए/स्टेबल रेटिंग दी गई है।

ट्रांच आई इश्यू 8.85 प्रतिशत प्रति वर्ष से लेकर 9.25 प्रतिशत प्रति वर्ष तक के कूपन रेट के साथ सब्सक्रिप्शन के लिए एनसीडी की विभिन्न सीरीज प्रदान करता है।

तनाएरा ने लॉन्च किया नया कैंपेन 'फॉर ब्युटीफुल बिगिनिंग्स'

वैडिंग रेंज के साथ इस सीज़न का आकर्षण बनाया जो दूल्हन के आशाजनक भविष्य एवं सांस्कृतिक धरोहर का जश्न मनाता है

मुंबई, एजेंसी। शादियां भावनाओं का मिश्रण होती हैं, यह एक नए अध्याय की शुरूआत है जहां प्यार सभी सीमाओं को पार कर नई कहानियों की शुरूआत करता है। टाटा की प्रोडक्ट तनाएरा अपने नए कैंपेन 'फॉर ब्युटीफुल बिगिनिंग्स' के साथ इसी यात्रा की भावना पर रोशनी डालता है। मृणाल ठाकुर के साथ फिल्माया गया यह कैंपेन उस दूल्हन की कहानी बयां करता है जो अपने बचपन की देहलीज़ को पार कर, अपने साथ ढेरों यादें संजांए, असख्यं संभावनाओं से भरपूर एक नए जीवन के वादे करती है- एक ऐसा अनुभव जिसे भारत की विभिन्न संस्कृतियों में साझा किया जाता है। इस कैंपेन के माध्यम से तनाएरा उन भावनाओं को सम्मान देती है, जो दूल्हनों को एक धागे के साथ जोड़ती हैं, फिर चाहे वे किसी भी क्षेत्र या किसी भी परम्परा से ताल्लुक रखती हों, यह कैंपेन उनकी नई यात्रा की बारीकियों को उजागर करता है। इस समय, दूल्हन सिर्फ साड़ी में

लिपटी नहीं होती, उसके मन में ढेरों सपने, यादें और उम्मीदें होती हैं, जिन्हें अपने साथ लेकर वह अपने जीवन के नए अध्याय की शुरूआत करती है। तनाएरा का कैंपेन 'फॉर ब्यूटीफुल बिगिनिंग्स' इस बात पर रोशनी डालता है कि किस तरह, जहां दूल्हन की साड़ी विभिन्न प्रकार के फैब्रिक, ड्रेप और डिज़ाइन के ज़रिए उसकी बदलाव की यात्रा की सच्ची साथी बन जाती है।

'फॉर ब्यूटीफुल बिगिनिंग्स' ऐसे कलेक्शन के साथ इस पावन पल के फैब्रिक में बुनी संस्कृति का जश्न मनाता है, जो हमारे देश की कारीगरी और आधुनिक डिज़ाइनों, समकालीन डिज़ाइन एवं आधुनिक रंगों की समृद्ध धरोहर के सदाबहार पारम्परिक मिश्रण की अभिव्यक्ति करता है। ब्राण्ड के दृष्टिकोण के अनुरूप यह कलेक्शन विभिन्न डिज़ाइनों में शुद्ध एवं प्रमाणिक फैब्रिक का प्रतीक है। तनाएरा ज़री का सर्टिफिकेशन भी देती है, ताकि दूल्हन अपने जीवन के सबसे खास दिन इस धरोहर के सही मायनों का अहसास पा सके। शादी के जश्न को पूरे परिवार तक बढ़ाते हुए वैडिंग रेंज की साड़ियों में कई विकल्प हैं जो हर तरह की भूमिकाओं और व्यक्तित्वों पर खूब जंचते हैं। दूल्हन की सबसे अच्छी सहेली हो, दूल्हे की मां या चचेरी बहन, इस कलेक्शन में हर महिला के लिए साड़ी है, जो नए जोड़े के साथ इस यादगार मौके की खुशियां बांटती हैं।

लॉन्च के अवसर पर मिस शालिनी गुप्ता, जनरल मैनेजर, तनाएरा ने कहा, ''तनाएरा में हमारा मानना है कि हर दूल्हन की यात्रा परम्परा और बदलाव का जश्न है। हमारा यह कैंपेन इन्हीं भावनाओं, यादों और सपनों की अभिव्यक्ति है

होरिबा ने भारत में अपनी पहली हाइड्रोजन इंटर्नल कंबशन इंजन टेस्ट बेड सुविधा का उद्घाटन किया

यह हाइड्रोजन ईंधन आधारित इंटर्नल कंबशन इंजनों का परीक्षण

पुणे, एजेंसी। 2024-ऊर्जा और पर्यावरण, बायो एवं हेल्थकेयर और मैटेरियल एवं सेमीकंडक्टर सहित समूह के तीन क्षेत्रों के लिए एनालिटिकल उपकरण एवं मेज़रमेंट सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने वाले क्योटो स्थित जापान के अग्रणी होरिबा लिमिटेड समूह की कंपनी होरिबा इंडिया ने तेजी से उभरते हाइड्रोजन के वृहद क्षेत्र में कदम रखा है। होरिबा ने पुणे के चाकन में होरिबा इंडिया टेक्निकल सेंटर में अपनी पहली हाइड्रोजन इंटर्नल कंबशन इंजन)टेस्ट बेड सुविधा का उद्घाटन किया है। यह नई इकाई ना केवल कारोबार के रास्तों का विस्तार करेगी, बल्कि कार्बन न्यूट्रलिटी, डीकार्बनाइजेशन और टिकाऊपन हासिल करने के वैश्विक विजन को हासिल करने में भी उल्लेखनीय रूप से योगदान करेगी।

होरिबा इंडिया की चाकन इकाई- होरिबा इंडिया टेक्निकल सेंटर (एचआईटीसी) को 100 करोड़ रुपये से अधिक निवेश से 2016 में लांच किया गया जो 10,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैला है। उत्सर्जन मापन प्रणालियों, उन्नत एनालिटिकल इंस्ट्रूमेंट्स और देशज

कस्टमाइजेशन इकाई के लिए यह 2006 से एक प्रदर्शन आधार के तौर पर काम कर रही है। इस अत्याधुनिक इकाई को आईएसओ 9001:2015, आईएसओ 14001:2015, आईएसओ 45001:2018 और एनएबीएल आईएसओ आईईसी 17025:2017 की मान्यता मिली है जो मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत अभियान में सहयोग करती है। होरिबा ने इस टेक्निकल सेंटर में घरेलू और निर्यात आपूर्ति दोनों के लिए एक 2/3व्हील चेसिस डाइनोमीटर, मेक इन इंडिया ईवी चेसिस डाइनो, आरडीई टेस्टिंग कंटीन्युअस एमिशन मॉनिटरिंग सिस्टम (सीईएमएस), एंबिएंट एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम (एएक्यूएमएस) और वाटर क्वालिटी मॉनिटरिंग सिस्टम (डब्लूक्यूएमएस) के विकास पर कई परियोजनाएं क्रियान्वित की हैं। होरिबा ने हाल ही में इस इकाई में मास फ्लो कंट्रोलर्स (एमएफसी) का रिपेयर, कैलिब्रेशन और प्रोडक्शन शुरू किया है। इस कंपनी ने इस हाइड्रोजन इंटर्नल कंबशन इंजन टेस्ट बेड सुविधा को स्थापित करने में और करीब 28-30 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में हो सकता है बड़ा बदलाव, भारत-पाक विवाद के बीच रिपोर्ट में दावा

स्पोर्ट्स डेस्क । चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर विवाद अभी खत्म नहीं हुआ है और प्रतियोगिता के शेड्यूल पर अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है। भारत ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया जिससे इस बात पर बड़ी चर्चा हुई कि अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद इस स्थिति से कैसे निपटेगी। एक 'हाइब्रिड' फॉर्मूला सुझाया गया था जिसके तहत भारत अपने मैच दुबई में खेल सकता है, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। जबकि दिसंबर में आईसीसी की बैठक होनी थी, लेकिन आगे के रास्ते को लेकर असहमति के कारण इसे स्थगित करना पड़ा। रिपोर्ट के अनुसार, देरी के कारण चैंपियंस ट्रॉफी नियमित वनडे प्रारूप से टी20 टूर्नामेंट बन सकती है।

रिपोर्ट में कहा गया है, 'अगर गतिरोध जारी रहता है, तो यह असंभव नहीं है कि कुछ हितधारक चैंपियंस ट्रॉफी को टी20 प्रारूप में बदलने के लिए फिर से आवाज उठा सकते हैं, जो कि वनडे की तुलना में आसान और तेज है, जो तेजी से अपनी प्रासंगिकता खो रहे हैं।' इस बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को राजस्व घाटे, मुकदमों का सामना करना पड़ सकता है और अगर वह अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाले 50 ओवर के आयोजन के तरीके पर गतिरोध के कारण आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से हटने का फैसला करता है तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलगाव का जोखिम भी उठाना पड़ सकता है।

यहां के एक वरिष्ठ क्रिकेट प्रशासक, जो आईसीसी आयोजनों के आयोजन से अच्छी तरह वाकिफ हैं, ने एक रिपोर्ट में कहा, 'पाकिस्तान ने न केवल आईसीसी के साथ एक मेजबान समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं, बल्कि इस आयोजन में भाग लेने वाले अन्य सभी देशों की तरह इसने आईसीसी के साथ एक अनिवार्य सदस्य भागीदारी समझौते (एमपीए) पर भी हस्ताक्षर किए हैं। किसी सदस्य देश द्वारा आईसीसी इवेंट में खेलने के लिए एमपीए पर हस्ताक्षर करने के बाद ही वह आईसीसी इवेंट से अर्जित राजस्व का हिस्सा पाने का पात्र होता है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जब आईसीसी ने अपने सभी इवेंट के लिए प्रसारण समझौते पर हस्ताक्षर किए, तो इसने यह गारंटी दी है कि सभी आईसीसी सदस्य चैंपियंस ट्रॉफी सहित अपने इवेंट में खेलने के लिए उपलब्ध होंगे।'

विश्व कप की मेजबानी में पुर्तगाल का भी नाम, स्टार फुटबॉलर रोनाल्डो की पहली प्रतिक्रिया आई सामने

मैड्रिड (एजेंसी)। पुर्तगाल सहित पांच अन्य देशों को 2030 में होने वाले फुटबॉल विश्व कप की मेजबानी मिलने के बाद स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा कि छह साल बाद होने वाला यह टूर्नामेंट बेहद खास होगा। विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने बुधवार को 2030 और 2034 में होने वाले विश्व कप के मेजबानों की औपचारिक घोषणा की। विश्व कप 2030 के मैच तीन महाद्वीपों के छह देशों में खेले जाएंगे।

यह पहला अवसर होगा जबकि विश्व कप छह देशों में आयोजित किया जाएगा। स्पेन, पुर्तगाल और मोरक्को को इसकी संयुक्त मेजबानी सौंपी गई है लेकिन दक्षिण अमेरिकी देशों अर्जेंटीना, पैराग्वे और उरुग्वे में भी इसके एक-एक मैच आयोजित किए जाएंगे। पहला विश्व कप 1930 में उरुग्वे में आयोजित किया गया था और फीफा ने उसके 100 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए दक्षिण अमेरिका के इन देशों को एक-एक मैच की मेजबानी सौंपी है।

रोनाल्डो ने पुर्तगाल की जर्सी पहनकर जश्न मनाते हुए अपनी तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की जिसमें उन्होंने लिखा है, 'सपना सच हो गया। यह बेहद खास विश्व कप होगा। पुर्तगाल 2030 में विश्व कप की मेजबानी करके हमें गौरवान्वित करेगा।' फीफा ने इसके साथ ही 2034 में होने वाले विश्व कप की मेजबानी सऊदी अरब को सौंपने की घोषणा भी की।

बुमराह का सामना करने को तैयार हूं : मैकस्वीनी

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के युवा सलामी बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी ने कहा कि वह गाबा में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का अच्छी तरह से सामना करेंगे। मैकस्वीनी को अपनी पहली ही टेस्ट सीरीज में बुमराह की गेंदों को खेलना पड़ा है। वह तीन बार बुमराह का शिकार बने हैं हालांकि एडीलेड टेस्ट की पहली पारी में 39 रन बनाकर मैकस्वीनी ने अपना आत्मविश्वास हासिल कर लिया था।

मैकस्वीनी का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बुमराह जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाज का सामना करने से बेहतर कुछ नहीं हो सकता। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा, 'अपने करियर की शुरुआत में ही मुझे बुमराह जैसे मुश्किल गेंदबाज का सामना का अवसर मिला है। मैंने एडिलेड में उनकी गेंदों को जिस प्रकार से खेला है। उससे मेरा मनोबल बढ़ा है। अब मैं जितना अधिक उनका सामना करूंगा उतना ही मेरे लिए खेलना आसान होता जाएगा।

मैकस्वीनी ने कहा, 'इसमें कोई संदेह नहीं कि उनका सामना करना मुश्किल है लेकिन एडिलेड में आत्मविश्वास हासिल करना अच्छा रहा और उम्मीद है की इससे पूरी सीरीज के दौरान मेरा आत्मविश्वास बना रहेगा। मैंने जब पहली बार उनका सामना किया तो पता चला कि वह अलग तरह के गेंदबाज है। यह उनकी गेंदबाजी को समझने से जुड़ा है। पर्थ में पहले टेस्ट मैच में मैंने उनकी दो अच्छी गेंदों पर अपना विकेट भी खोया। दूसरे टेस्ट में भी उन्होंने मुझे आउट किया पर उनका सामना करने से मेरी तैयारियां कैसी हैं ये भी मुझे पता चला है।

कोहली ने टीम को संबोधित किया, रोहित ने नई और पुरानी गेंद से किया अभ्यास

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। विराट कोहली जब कप्तान थे तो ट्रेनिंग सत्रों के दौरान वह सभी के आकर्षण का केंद्र हुआ करते थे और बृहस्पतिवार को उन्होंने फिर यहां अभ्यास के दौरान अपने साथी खिलाड़ियों को संबोधित किया। एडिलेड में दिन रात्रि मैच में मिली 10 विकेट की हार के बाद मेहमान टीम को श्रृंखला के महत्वपूर्ण तीसरे टेस्ट में खेलने से पहले थोड़ी प्रेरणा की जरूरत थी और टीम के युवाओं का मार्गदर्शन करने के लिए 'किंग' कोहली से बेहतर कोई 'मेंटोर' नहीं मिल सकता।

कोहली जब कप्तान थे तो वह ट्रेनिंग सत्र के दौरान खिलाड़ियों से काफी बातें किया करते थे। कप्तानी छोड़ने के बाद उन्होंने यह बंद कर दिया। लेकिन लगातार चार हार के बाद कप्तान रोहित पर भी भारी दबाव है और टीम के सबसे वरिष्ठ खिलाड़ी (टेस्ट पदार्पण के मामले में) ने शनिवार से यहां शुरू होने वाले मैच से पहले पहल की।

उप-कप्तान जसप्रीत बुमराह के साथ कोहली खिलाड़ियों से उत्साहपूर्वक बात करते देखे गए और रोहित सहित सभी ने उनकी बात ध्यान से सुनी। रोहित ने नेट्स में नयी और पुरानी गेंद दोनों का सामना किया। वह गाबा में अपने नेट सत्र के दौरान काफी बेहतर स्थिति में दिखे लेकिन इस बात पर सवालिया निशान बने हुए हैं कि क्या वह पारी की शुरुआत करेंगे या छठे

नंबर पर ही बने रहेंगे जो उनकी पसंदीदा जगह नहीं है।

केएल राहुल और यशस्वी जायसवाल ने फिर नेट्स पर नयी गेंद का सामना किया। रोहित ने शुरुआत में थोड़ी पुरानी कूकाबुरा गेंद से खेले। फिर उन्होंने नयी लाल गेंद भी खेली। गाबा की पिच पर काफी घास है जो हमेशा से पारंपरिक ऑस्ट्रेलियाई विकेटों में से एक रहा है जिसमें सीम और उछाल दोनों मिलते हैं। ट्रेनिंग सत्र के बाद रोहित और मुख्य कोच गौतम गंभीर के बीच लंबी बातचीत हुई और दूर से ऐसा लग रहा था कि वे तकनीक पर चर्चा कर रहे थे।

गंभीर को कुछ 'शैडो ड्राइव' (हाथ से इशारा करके शॉट बताना) के लिए तैयार होते देखा गया जबकि रोहित उन्हें ध्यान से देख रहे थे। आकाश दीप को भारतीय नेट सत्र में सबसे निरंतर गेंदबाज माना जाता है लेकिन इसका यह मतलब नहीं है कि वह युवा हर्षित राणा की जगह लेंगे जिन्हें एडिलेड में दूसरे टेस्ट के दौरान ट्रेविस हेड ने कड़ी चुनौती दी थी।

पर्थ में टेस्ट पदार्पण में चार विकेट लेने के बाद हर्षित ने 16 ओवर में 86 रन दे दिए लेकिन कप्तान रोहित ने युवा खिलाड़ी का बचाव किया। आकाश दीप ने दो बार जयसवाल को परेशान किया और कप्तान ने भी उनकी पीठ थपथपाई। शमी शायद अभी टेस्ट खेलने के लिए फिट नहीं हैं। वह शायद भारतीय टीम में शामिल नहीं हों क्योंकि रणजी ट्रॉफी में वापसी के बाद सैयद मुश्ताक अली टी20 के नौ मैच खेलने के बाद उन्हें खुद लगता है कि वह अभी लाल गेंद के क्रिकेट के लिए तैयार नहीं हैं।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने कहा, 'सूजन आ जा रही है। वह खुद भी अधिक से अधिक घरेलू क्रिकेट खेलना चाहते हैं और इसलिए इस समय उनके बंगाल के लिए विजय हजारे ट्रॉफी (21 दिसंबर से शुरू) में खेलने की संभावना है।' वहीं अकेला स्पिनर कौन होगा, यह भी सवाल है। इस पर भी वाशिंगटन सुंदर तकनीकी रूप से सबसे बेहतर बल्लेबाज हैं, रविचंद्रन अश्विन कौशल के मामले में सर्वश्रेष्ठ स्पिनर हैं और रविंद्र जडेजा एक ऑलराउंडर के रूप में बेहतरीन पैकेज हैं।

अंडर-19 महिला एशिया कप : निकी प्रसाद को मिली भारतीय टीम की कप्तानी

खेल डैस्क । एसीसी महिला अंडर-19 एशिया कप के उद्घाटन के लिए भारत की अंडर-19 टीम की घोषणा कर दी गई है। महिला चयन समिति ने एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) महिला अंडर-19 एशिया कप के उद्घाटन संस्करण के लिए भारत की अंडर-19 टीम का चयन किया। यह टूर्नामेंट मलेशिया के कुआलालंपुर में बेयूमास क्रिकेट ओवल में होने वाला है। भारत अंडर 19 टीम ग्रुप में है। उनके साथ पाकिस्तान, नेपाल की टीमें भी हैं। इसी तरह ग्रुप बी में बांग्लादेश, श्रीलंका और मलेशिया की टीमें हैं। भारत अंडर 19 ग्रुप स्टेज का अपना शुरुआती मैच 15 दिसंबर, 2024 को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा और फिर 17 दिसंबर को नेपाल के साथ मुकाबला होगा।

ऐसी है भारतीय टीम : निकी प्रसाद (कप्तान), सानिका चालके (उप-कप्तान), जी त्रिशा, कमलिनी जी (विकेटकीपर), भाविका अहिरे (विकेटकीपर), ईश्वरी अवसरे, मिथिला विनोद, जोशीता वीजे, सोनम यादव, पारुनिका सिसौदिया, केसरी द्रिथि, आयुषी शुक्ला, आनंदिता किशोर, एमडी शबनम, नन्दना एस.

ब्रिसबेन टेस्ट से पहले सुनील गावस्कर बोले, अब ऑस्ट्रेलिया के पास सीरीज में लय है

नई दिल्ली । ब्रिस्बेन में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी (बीजीटी) के तीसरे टेस्ट से पहले पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा कि अब ऑस्ट्रेलिया के पास सीरीज में लय है। बीजीटी सीरीज का तीसरा टेस्ट मैच शनिवार से ब्रिस्बेन के प्रतिष्ठित द गाबा में खेला जाएगा। इससे पहले एडिलेड टेस्ट में भारत ने ऑस्ट्रेलिया से 10 विकेट से निराशाजनक हार झेली थी। स्टार स्पोर्ट्स से एक्सक्लूसिव बातचीत में गावस्कर ने कहा कि पर्थ टेस्ट में जीत के बाद लय भारत के साथ थी, लेकिन 10 दिन के अंतराल ने पर्यटकों को प्रभावित किया। उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम ने पर्थ में जो लय हासिल की थी, वह 10 दिन के अंतराल के दौरान खो गई। अब लय ऑस्ट्रेलिया के साथ है क्योंकि उन्होंने टेस्ट मैच जीता है। एडिलेड टेस्ट के कुछ दिनों बाद आप द गाबा में खेल रहे हैं। इसलिए अब लय ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ है।' गौर हो कि भारत को एडिलेड में दूसरे टेस्ट में 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा, क्योंकि उसके शेष पांच विकेट पहले सत्र में ही गिर गए थे जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को 1-1 से बराबर करने के लिए व्यापक जीत हासिल की। भारत ने अपनी पहली पारी में 180 रन बनाए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के 337 रन बनाकर 157 रनों की बढ़त हासिल कर ली, जिसमें ट्रैविस हेड की 141 गेंदों पर 140 रनों की आक्रामक पारी शामिल थी। इसके बाद भारत अपनी दूसरी पारी में 175 रनों पर ढेर हो गया, जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए सिर्फ 19 रनों की जरूरत थी। तीसरा टेस्ट 14 दिसंबर को ब्रिस्बेन में शुरू होगा।

डी गुकेश ने रच दिया इतिहास, सबसे कम उम्र के वर्ल्ड चेस चैंपियन बने, चीन के डिंग लिरेन को हराया

सिंगापुर (एजेंसी)। भारत के युवा शतरंज खिलाड़ी डी गुकेश वर्ल्ड चेस चैंपियनशिप के अंतिम गेम में डिंग लिरेन की गलती के बाद इतिहास में सबसे कम उम्र के वर्ल्ड चैंपियन बन गए हैं। ये गलती ऐसे समय में हुई जब टाईब्रेक की संभावना बहुत वास्तविक लग रही थी। पांचवें घंटे में खेल तब खत्म हुआ जब डिंग लिरेन ने एक गलती की जिसके कारण उन्हें हार झेलनी पड़ी।

एक वक्त ऐसा था जब लगा मैच टाईब्रेक हो जाएगा, लेकिन गुकेश ने अपनी कोशिश जारी रखते हुए डिंग को हराने में सफलता प्राप्त की। वर्ल्ड शतरंज चैंपियनशिप 2024 में डिंग लिरेन अधिकांश समय पर पीछे चल रहे थे। बता दें कि, डोमराजू गुकेश 18वें वर्ल्ड चेस चैंपियन हैं।

वर्ल्ड चेस चैंपियन 2024 का फाइनल मुकाबला सिंगापुर में खेला गया। खिताबी मुकाबले में डी गुकेश ने 14वीं बाजी में डिंग लिरेन को करारी शिकस्त दी और खिताब पर कब्ज किया।

डिंग लिरेन के खिलाफ गुकेश काले मोहरों के साथ मुकाबले खेले थे। पूरे मैच में भारतीय युवा ने अपना जोरदार प्रदर्शन दिखाया और हर बाजी में चीनी खिलाड़ी पर भारी पड़े। आखिर में गुकेश ने चीन की बादशाहत खत्म कर दी।

विश्वनाथन आनंद के खास क्लब में गुकेश की एंट्री

इस धांसू जीत के साथ 18 वर्षीय युवा चैंपियन शतरंज की दुनिया के सबसे कम उम्र के वर्ल्ड चैंपियन बन गए हैं। साथ ही वो एक रिकॉर्ड के मामले में विश्वनाथन आनंद के क्लब में भी शामिल हो गए हैं। दरअसल, गुकेश वर्ल्ड चैंपियन बनने वाले भारत के दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। जबकि विश्वनाथन पहले भारतीय हैं। 5 बार के वर्ल्ड चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने अपना आखिरी खिताब 2013 में जीता था।

तीसरे टेस्ट में जरुरत के अनुसार गेंदबाजी के लिए तैयार हूं : मार्श

ब्रिस्बेन । ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिचेल मार्श ने कहा है कि वह भारतीय टीम के खिलाफ शनिवार से शुरु हो रहे तीसरे टेस्ट मैच में जरुरत के अनुसार गेंदबाजी के लिए तैयार हैं। मार्श ने कहा कि अब मैं पूरी तरह से फिट हूं और टीम के लिए अपनी भूमिका निभाने तैयार हूं। टीम के कोचिंग स्टाफ और मेडिकल टीम ने उनकी फिटनेस हासिल करने में सहायता की है। मार्श को सितंबर में इंग्लैंड के सफ़ेद गेंद दौरे के दौरान पीठ में खिंचाव हुआ था। तब उन्होंने केवल एक बार गेंदबाज़ी की थी। अप्रैल में आईपीएल के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। इस सत्र सीज़न की शुरुआत में उनके शेफ़ील्ड शील्ड में गेंदबाज़ी करने की योजना थी पर पीठ की समस्या के कारण वह ऐसा नहीं कर पाये। पर्थ में हुए पहले टेस्ट के पहले दिन मार्श ने दो विकेट लेने के साथ ही कुल 17 ओवर किए थे पर इसके बाद उन्हें दर्द हुआ। इससे एडिलेड टेस्ट के लिए उनकी फ़िटनेस पर सवाल उठने लगे थे। जिसके बाद बो वेब्स्टर को भी टीम में विकल्प के रुप में शामिल किया गया। एडिलेड टेस्ट में उन्होंने पहले पारी में केवल चार ओवर किए थे। मार्श ने कहा, मेरे दिमाग में ऐसी कोई सीमा नहीं है। मैं जितना हो सके ज़रूरत के अनुसार गेंदबाज़ी करने के लिए तैयार रहूंगा। मैं हमारे मेडिकल स्टाफ़, कोच रॉनी एंड्रयू मैक्डोनाल्ड और कमिंस का आभारी हूं जिन्होंने मुझे पहले और दूसरे टेस्ट के बीच सही समय दिया जिससे मैं मैच के लिए तैयार हो सकूं। मार्श ने कहा कि उनके लिए यह अहम है कि वह टीम के लिए उपयोगी भूमिका निभा सकें।

यशस्वी की टिप्पणी से बेतर प्रदर्शन को प्रेरित हुए स्टार्क : पोंटिंग

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने पहले टेस्ट में जिस प्रकार की टिप्पणी मिशेल स्टार्क के खिलाफ की थी। लगता है वही लगता है उन्हें भारी पड़ी है। उसे टिप्पणी से स्टार्क दूसरे टेस्ट में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित हुए होंगे। यशस्वी ने पर्थ टेस्ट में 161 रनों की पारी के दौरान तंज कसा था कि स्टार्क बहुत धीमी गेंदबाजी कर रहे हैं।

उस समय इस टिप्पणी से भले ही स्टार्क हंस दिये थे पर उन्होंने एडिलेड में मैच की पहली ही गेंद पर यशस्वी को आउट करके करारा जवाब दिया। पोंटिंग ने कहा कि अनुभवी तेज गेंदबाज को जायसवाल की टिप्पणी से कुछ अतिरिक्त प्रेरणा मिली होगी। उन्होंने कहा, स्टार्क वास्तव में एक बहुत ही शांत व्यक्ति है। वह बहुत ज़्यादा परेशान नहीं होता, यहां तक कि आप देख सकते हैं कि जब वह अब गेंदबाजी कर रहा होता है। और

अगर कोई बल्लेबाज कुछ कहता भी है, तो वह आम तौर पर अपने चेहरे पर हल्की मुस्कान के साथ जवाब देता है। लेकिन मुझे लगता है कि उसके चेहरे पर यह मुस्कान शायद अंदर उठे रहे तूफान को ढकने का एक तरीका हो। उसने जिस प्रकार दूसरे टेस्ट में गेंदबाजी की उसका अंदाजा इससे होता है। स्टार्क वर्तमानप समय के सबसे अच्छे तेज गेंदबाजों में शामिल हैं। सभी प्रारूपों में 692 विकेट लेने के साथ ही उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की ओर से हर प्रमुख खिताब जीता है। पोंटिंग ने स्टार्क की प्रशंसा की और इस बात पर जोर दिया कि कैसे उन्होंने खेल के सभी प्रारूपों में लंबे समय तक रहने के लिए अपनी गेंदबाजी शैली को अनुकूलित किया है। उन्होंने कहा , वह निश्चित रूप से प्रशंसा के अधिकारी हैं। मेरा मतलब है, वह शायद पिछले कुछ वर्षों में पहले से कहीं बेहतर रहे हैं। और मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं क्योंकि मुझे लगता है कि वह पहले की तुलना में अब अधिक बेहतर गेंदबाज बन गये हैं, फिर भी उनकी गति अभी भी लगभग वैसी ही है जैसी हमेशा थी। पोंटिंग ने कहा, उसने पर्थ में अपना पहला स्पेल कैसे शुरू किया और फिर जिस तरह से उसने एडिलेड में अपना पहला स्पेल शुरू किया वह अविश्वसनीय रूप से अच्छा था। इससे पता चलता है कि उसका गुलाबी गेंद का रिकॉर्ड काफी अच्छा है।

साल 2024 में एक भी एकदिवसीय मैच नहीं जीती भारतीय टीम

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के लिए इस साल एक भी एकदिवसीय मैच नहीं जीती है। 1979 के बाद यह पहला और तीसरा अवसर है जब टीम ने साल में एक भी 50 ओवरों का मुकाबला नहीं जीता। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम साल 1974 से ही लगातार एकदिवसीय मैच खेल रही है। शुरुआती दौर में भारत का इस प्रारुप में प्रदर्शन अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा और वह साल 1974, 1976 और 1979 में एक भी एकदिवसीय मैच नहीं जीत पायी। इसी दौर में उसने 1975 का विश्वकप जीतकर और 1978 में पाकिस्तान को हराया। साल 1980 से भारतीय क्रिकेट की जीत का जो सिलसिला शुरू हुआ वह 2023 तक लगातार जारी रहा। भारतीय टीम ने हर साल मैच जीते हैं पर इस साल उसे एक भी जीत एकदिवसीय में नहीं मिली। भारतीय टीम ने हालांकि इस साल ज्यादा एकदिवसय मैच नहीं खेले हैं। भारतीय टीम ने श्रीलंका के खिलाफ अगस्त में 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली थी जिसे श्रीलंका ने 2-0 से जीता था। वहीं इस सीरीज का एक मैच रद हो गया था। वहीं न्यूजीलैंड की टीम ने इस साल 3 एकदिवसीय मैच खेले और उसे भी इन तीनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा। भारत और न्यूजीलैंड की टीमें इस साल सबसे कम एकदिवसीय मैच खेलने वाली टीमें भी रहीं। इन दोनों के अलावा आयरलैंड ने 5 जबकि जिम्बाब्वे ने 6 एकदिवीसीय खेले।

गूगल सर्च : साल 2024 में सबसे ज्यादा खोजे गए क्रिकेटर हार्दिक पंड्या, पहले नंबर पर हैं महिला प्लेयर

नई दिल्ली (एजेंसी) । गूगल ईयर इन सर्च 2024 के अनुसार भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या दुनिया भर में सबसे ज्यादा खोजे जाने वाले भारतीय खिलाड़ी हैं जबकि दुनिया भर में खोजे गए खिलाड़ियों में सातवें नंबर पर। 31 वर्षीय ऑलराउंडर ने इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटंस के साथ दो सीजन खेलने के बाद मुंबई इंडियंस के साथ हाथ मिला लिया था। उन्हें पांच बार की चैंपियन टीम का कप्तान भी बनाया गया था, लेकिन आईपीएल 2024 के अंत में वे स्टैंडिंग में सबसे नीचे रहे।

हालांकि कुछ सप्ताह बाद ही हार्दिक ने टी20 विश्व कप 2024 में महत्वपूर्ण वापसी की और देश के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर बने। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप के फाइनल में हार्दिक पंड्या ने तीन ओवरों में 20 रन देकर 3 विकेट लिए, जिसमें डेथ ओवरों के दो महत्वपूर्ण ओवर भी शामिल थे। गूगल पर इस साल में खोज रुझानों में क्रिकेट का दबदबा रहा, लेकिन दुनिया में सबसे ज्यादा खोजी गई टीमों में कोई भी भारतीय खेल टीम शीर्ष 10 में जगह नहीं बना पाई।

भारत में आईपीएल सबसे ज्यादा खोजा गया। ओलंपिक (5वां), प्रो कबड्डी लीग (9वां) और इंडियन सुपर लीग (10वां) ने भी जगह बनाई। भारत में खेल के रुझानों में आईपीएल, टी20 विश्व कप और ओलंपिक ने शीर्ष तीन स्थानों पर कब्जा कर लिया। भारत में शीर्ष 10 ट्रेंडिंग लोगों में से पांच खिलाड़ी थे - विनेश फोगट (प्रथम), हार्दिक पंड्या (चौथे), शशांक सिंह (छठे), अभिषेक शर्मा (9वें) और लक्ष्य सेन (10वें)। विनेश फोगाट 2024 के लिए भारत में ट्रेंडिंग लोगों की सूची में शीर्ष पर हैं। इस साल की शुरुआत में, विनेश ने पेरिस 2024 ओलंपिक में महिलाओं की 50 किग्रा कुश्ती स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन बाद में अधिक वजन के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था। बैडमिंटन में ओलंपिक पदक से मामूली अंतर से चूकने वाले लक्ष्य सेन भी शीर्ष 10 में शामिल हैं। क्रिकेटर अभिषेक शर्मा और शशांक सिंह, जो क्रमशः सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स के साथ आईपीएल में चमके, ने भी सूची में जगह बनाई।

गूगल पर 2024 में टॉप 10 सर्च

1. इंडियन प्रीमियर लीग
2. टी20 वर्ल्ड कप
3. ओलिंपिक
4. प्रो कबड्डी लीग
5. इंडियन सुपर लीग
6. महिला प्रीमियर लीग
7. कोपा अमेरिका
8. दलीप ट्रॉफी
9. यूईएफए यूरो
10. अंडर-19 वर्ल्ड कप

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नुकसान भी पहुंचा सकता है
हल्दी वाला दूध

हल्दी वाला दूध पीकर ज्यादातर लोग अपनी ओवरऑल हेल्थ को काफी हद तक इम्प्रूव कर सकते हैं। लेकिन कुछ लोगों के लिए हल्दी वाला दूध नुकसानदायक साबित हो सकता है। लोग दादी-नानी के जमाने से हल्दी वाले दूध को सेहत के लिए वरदान मानते हैं। हालांकि, ज्यादा हल्दी वाला दूध पीने से आपकी सेहत पर पॉजिटिव असर की जगह नेगेटिव असर भी पड़ सकता है। आइए जानते हैं कि किन लोगों को हल्दी वाला दूध पीने से बचना चाहिए।

गट हेल्थ पर पड़ सकता है बुरा असर

जिन लोगों को गैस या फिर ब्लोटिंग जैसी पेट से जुड़ी समस्या रहती है, उन्हें हल्दी वाले दूध को अपनी डाइट का हिस्सा नहीं बनाना चाहिए। हल्दी वाले दूध में पाए जाने वाले तत्व आपकी इस समस्या को बढ़ाने का काम कर सकते हैं। इसके अलावा डायबिटीज जैसी साइलेंट किलर बीमारी के मरीजों को भी डॉक्टर की सलाह लिए बिना हल्दी वाला दूध नहीं पीना चाहिए।

ब्लड प्रेशर के पेशेंट्स

अगर आपको अक्सर लो ब्लड प्रेशर रहता है, तो आपके लिए हल्दी वाला दूध काफी ज्यादा हानिकारक साबित हो सकता है। हल्दी वाला दूध ब्लड प्रेशर को और ज्यादा लो कर सकता है। इसके अलावा अगर आपको दूध से एलर्जी है, तो भी आपको हल्दी वाले दूध को अपने डाइट प्लान में शामिल करने से बचना चाहिए वरना आपकी सेहत को लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

गौर करने वाली बात

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि बरसाती मौसम में भी हल्दी वाला दूध पीने से बचना चाहिए। आयुर्वेद के मुताबिक हल्दी वाला दूध आपके लिए तभी फायदेमंद साबित हो सकता है, जब आप इसका सेवन लिमिट में रहकर करें। दरअसल, किसी भी चीज को जरूरत से ज्यादा मात्रा में कंज्यूम करने से आपकी सेहत बुरी तरह से प्रभावित हो सकती है।

काफी ज्यादा दर्दनाक हो सकती है
विटामिन डी की कमी

शरीर में पोषक तत्वों की कमी सेहत को बुरी तरह से डैमेज कर सकती है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि विटामिन डी का नाम भी पोषक तत्वों की इस लिस्ट में शामिल किया जाता है। अगर आपके शरीर में विटामिन डी की कमी पैदा हो जाए, तो आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं। विटामिन डी की डेफिशिएंसी आपकी बॉडी को अंदर से खोखला कर सकती है। हालांकि, आप हेल्दी लाइफस्टाइल और खानपान को फॉलो कर इस विटामिन की कमी को पैदा होने से रोक सकते हैं।

अगर आप अपने शरीर में इस विटामिन की कमी को पैदा होने से रोकना चाहते हैं तो आपको अपने डाइट प्लान में खाने की कुछ चीजों को जरूर शामिल कर लेना चाहिए। फिश, अंडा और मशरूम खाने से आप विटामिन डी की डेफिशिएंसी के पैदा होने के खतरे को कम कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि सोया में भी विटामिन डी की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है इसलिए इसे भी डाइट का हिस्सा बनाया जा सकता है।

स्वाद में कड़वा जहर जैसा लगने वाला करेला सेहत के लिए वरदान से कम नहीं है। कुछ लोगों को करेला खाना बिल्कुल पसंद नहीं होता है। क्योंकि इसका स्वाद कड़वा होता है। आपको बता दें जितना कड़वा करेला स्वाद में होता है शरीर के लिए उतना ही ज्यादेमंद है। दरअसल करेला में ऐसे पोषक तत्त्व पाए जाते हैं जो डायबिटीज और कई दूसरी बीमारियों में असरदार काम करते हैं। भले ही सब्जी के रूप में करेला आपको पसंद न हो लेकिन इसे दवा समझकर ही अपनी डाइट में शामिल कर लें। आचार्य बालकृष्ण की मानें तो करेले का उपयोग सिर्फ खाने में ही नहीं बल्कि लगाने में भी किया जाता है। आइये जानते हैं करेला कौन सी बीमारियों में फायदा करता है और इसका सेवन कैसे करें?

स्वाद में कड़वा लेकिन
गुणों की खान है करेला

डैंड्रफ दूर

झकुछ लोगों को डैंड्रफ यानि रूसी की समस्या रहती है। उनके लिए करेला का रस फायदेमंद हो सकता है। डैंड्रफ हटाने के लिए आप करेले के जूस का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए करेले के पत्तों का रस निकालकर बालों पर लगा लें। आप इस जूस में थोड़ी हल्की मिलाकर उपयोग करें डैंड्रफ से छुटकारा मिल जाएगा।

सिरदर्द में आराम

झअगर आपको हमेशा सिरदर्द की परेशानी होती है तो आप करेले की पत्तियों को पीस कर इसका रल सिर में लगाएं। इस रस को अपने माथे पर लगा लें और सिर पर मालिश जैसी कर लें। काफी राहत मिलेगी।

मुंह के छाले दूर करे

अक्सर गर्मियों में मुंह में छाले हो जाते हैं। जिससे खाने पीने में परेशानी होती है। ऐसे में आप कई तरह के नुस्खों का उपयोग करते है, लेकिन उनका कोई खास आराम नहीं मिलता है। आप एक बार करेले का रस छालों पर लगा लें। इससे काफी फायदा मिलेगा। रस लगाने के बाद लार को बाहर निकलने दें और कुछ देर मुंह खोलकर लटकाए रखें। छाले 1 दिन में ही ठीक हो जाएंगे।

पथरी दूर करे

झ करेले का जूस पीने से पथरी के मरीज को आराम मिलता है। जिन लोगों को पथरी की परेशानी है, उन्हें करेले का रस जरूर पीना चाहिए। इससे पथरी को नेचुरली निकालने में मदद मिलती है।

घुटनों के दर्द में फायदेमंद

जिन लोगों को अक्सर घुटनों में दर्द होता रहता है। ऐसे लोग भी करेला का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए कच्चे करेले को आग में भून लें। अब करेला को मसल लें और रुई में लपेट कर घुटने में बांध लें। इससे जोड़ों और घुटने के दर्द में काफी आराम मिलेगा।

लटकती तोंद
हो जाएगी अंदर, बस रात को पिएं ये 5 ड्रिंक्स

हमारी लाइफस्टाइल के कारण बेली फैट बढ़ना एक आम समस्या बन चुकी है। कई लोग पेट की चर्बी बढ़ने की समस्या से परेशान रहते हैं। इसके लिए वे कई तरह की डाइट भी ट्राई करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कुछऐसी ड्रिंक्स हैं, जिन्हें रात के समय पीने से बेली फैट कम करने में काफी मदद मिल सकती है। यहां हम उन्हीं ड्रिंक्स के बारे में जानेंगे, जो आपके पेट पर जमा जिद्दी चर्बी को पिघलाने में आपकी मदद कर सकते हैं। आइए जानें क्या हैं वे ड्रिंक्स।

ये ड्रिंक्स नेचुरल चीजों से बनती हैं, जो मेटाबॉलिज्म को तेज बनाने में मदद करते हैं। इसलिए इन्हें पीने से फैट बर्न करने में सहायता मिलती है और पाचन भी दुरुस्त रहता है। इन कारणों से ये ड्रिंक्स बेली फैट घटाने में काफी फायदेमंद साबित हो सकती हैं।

सोने से पहले कौन-से ड्रिंक्स पेट कम करने में मदद कर सकते हैं?

ग्रीन टी- ग्रीन टी में एंटीऑक्सीडेंट्स और कैटेचिन होते हैं, जो मेटाबॉलिज्म को बढ़ाते हैं और फैट बर्निंग को बढ़ावा देते हैं। सोने से पहले एक कप ग्रीन टी पीने से आपको रात भर कैलोरी बर्न करने में मदद मिल सकती है।

अदरक की चाय- अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं। यह पाचन को बेहतर बनाता है और पेट की चर्बी कम करने में मदद करता है। सोने से पहले एक कप अदरक की चाय पीने से आपको रात भर आरामदायक नींद आएगी।

दालचीनी पानी- दालचीनी में मेटाबॉलिज्म को बढ़ाने वाले गुण होते हैं। यह ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में भी मदद करता है। सोने से पहले एक गिलास गर्म पानी में थोड़ी-सी दालचीनी पाउडर मिलाकर पीने से आपको वजन कम करने में मदद मिल सकती है।

नींबू पानी- नींबू में विटामिन-सी होता है, जो इम्युनिटी को बढ़ाता है और मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है। सोने से पहले एक गिलास गर्म पानी में नींबू का रस मिलाकर पीने से आपको डिटॉक्सिफिकेशन में मदद मिल सकती है।

पुदीने की चाय- पुदीना पाचन को बेहतर बनाता है और पेट की गैस को कम करता है। सोने से पहले एक कप पुदीने की चाय पीने से आपको आरामदायक नींद आएगी।

बेली फैट कम करने के लिए कौन-सी ड्रिंक्स पीने से बचना चाहिए?

शराब- शराब पीने से कैलोरी की मात्रा बढ़ जाती है और वजन बढ़ने का खतरा बढ़ जाता है।

कॉफी और चाय- कॉफी और चाय में कैफीन होता है, जो नींद आने में बाधा बन सकती हैं, जिस वजह से वजन बढ़ सकता है।

कार्बोनेटेड ड्रिंक्स- कार्बोनेटेड ड्रिंक्स में शुगर और कैलोरी की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे वजन बढ़ सकता है।

पैकेट वाले जूस- जूस में फ्रक्टोज होता है, जो वजन बढ़ने का कारण बन सकता है।

सर्दी में नुकसानदायक साबित हो सकती हैं खाने की ये चीजें

सर्दियों में लोगों को अक्सर सर्दी, खांसी और जुकाम की समस्या का सामना करना पड़ता है। खांसी के साथ-साथ कफ और बलगम भी लोगों की उलझन का कारण बन जाता है। क्या आप जानते हैं कि खाने की कुछ चीजों का सेवन करने की वजह से बलगम की समस्या बढ़ सकती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक हिस्टामाइन से भरपूर फूड आइटम्स बलगम के प्रोडक्शन को बढ़ा सकते हैं। यही वजह है कि बलगम की समस्या से जूझ रहे लोगों को इन चीजों को खाने से बचना चाहिए।

मेयोनीज- अगर आप बलगम की समस्या को बढ़ने नहीं देना चाहते, तो आपको मेयोनीज का सेवन नहीं करना चाहिए। मेयोनीज आपकी बॉडी में हिस्टामाइन रिलीज करने का कारण बन सकती है जिसकी वजह से बलगम की समस्या बढ़ सकती है।

खट्टे फल- हेल्थ एक्सपर्ट्स सर्दी, खांसी और जुकाम से जूझ रहे मरीजों को खट्टे फल न खाने की सलाह देते हैं। खट्टे फलों को खाकर गले से जुड़ी समस्याएं काफी हद तक बढ़ सकती हैं।

चॉकलेट/कॉफी- क्या आप जानते हैं कि चॉकलेट या फिर कॉफी जैसी चीजें बलगम के प्रोडक्शन बढ़ाने का काम कर सकती हैं। इसके अलावा आपको प्रोसेस्ड मीट्स का सेवन करने से भी बचना चाहिए वरना आपकी बलगम की समस्या काफी ज्यादा बढ़ सकती है।

तला हुआ खाना- आपकी जानकारी के लिए बता दें कि तला हुआ खाना भी बलगम की समस्या को बढ़ाने का काम कर सकता है। इसलिए सर्दी, खांसी या फिर जुकाम जैसी समस्याओं को ठीक करने के लिए तला हुआ खाना न खाएं।

दही- अगर आप बलगम की समस्या से जूझ रहे हैं, तो आपको दही को अपनी डेली डाइट में शामिल करने से बचना चाहिए। दही बलगम के प्रोडक्शन को बढ़ाने का काम करता है जिसकी वजह से आपको लेने के देने भी पड़ सकते हैं।

यूरिक एसिड कंट्रोल करने में ये जड़ी-बूटी है फायदेमंद

भागदौड़ भरी जिंदगी में लोग हल्के-फुल्के दर्द को गंभीरता से न लेते हुए नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसा ही एक दर्द है, पैरों की एड़ी में अचानक शुरू हुआ दर्द और उससे जुड़ी हुई सूजन, जिसकी मुख्य वजह है बढ़ा हुआ यूरिक एसिड। अगर समय रहते इसे कंट्रोल न किया जाए तो कई स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं, जैसे, गठिया, शुगर, जोड़ों से दर्द, सूजन आदि शामिल हैं। यहां तक की किडनी में स्टोन और किडनी के फेल होने का खतरा भी बढ़ जाता है। इसलिए यूरिक एसिड को कंट्रोल करना बेहद ही जरूरी होता है। ऐसे में दवाइयों के अलावा कुछ आयुर्वेद अपनाने के साथ ही खान-पान में थोड़े बदलाव कर आप यूरिक एसिड के लेवल को कम कर सकते हैं। इसी आयुर्वेद में से एक गिलोय है। आइए जानते हैं गिलोय किस तरह से यूरिक एसिड के लेवल को कम करने में असरदार है।

यूरिक एसिड कंट्रोल करेगा गिलोय-

गिलोय एक आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है। ये कई बीमारियों में असरदार है। अगर आप यूरिक एसिड की समस्या से जूझ रहे हैं तो गिलोय इस समस्या को भी कंट्रोल करने में कारगर है। इसमें गिलोय में अधिक मात्रा में एंटी-इंफ्लेमेटरी तत्व पाएं जाते हैं जो यूरिक एसिड के लक्षणों को कम करता है। इसके लिए बस आपको इसके इस्तेमाल के सही तरीके की जानकारी होनी चाहिए।

यूरिक एसिड से पीड़ित मरीज इस तरह करें गिलोय का इस्तेमाल

रोजाना गिलोय का इस्तेमाल करना लाभकारी होगा। इसके लिए सबसे पहले गिलोय की ताजी पत्तियों और तने को तोड़ लें। उसके बाद इसे रात भर भिगोकर रख दें। अगले सुबह इसे पीस लें। उसके बाद 1 गिलास पानी और इस पाउडर को पैन में डालें और गैस पर चढ़ा दें। अब इसे आधा होने तक उबालें। उसके बाद इसे छानकर पी लें।

सर्दी में रोज दूध के साथ खाएं एक गोंद का लड्डू

सर्दियों का मौसम आ चुका है। ठंड के मौसम में शरीर को गर्म और तंदुरुस्त रखना जरूरी होता है, ताकि सर्दियों में होने वाली बीमारियों से बचा जा सके। इसलिए इस मौसम में गोंद के लड्डू खाना काफी फायदेमंद होता है।

गोंद में कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जिसके कारण ये सेहत के लिए काफी फायदेमंद माने जाते हैं।

साथ ही, इससे बने लड्डुओं में घी और सूखे मेवे यानी ड्राई फ्रूट्स भी डाले जाते हैं, जो शरीर को गर्म रखते हैं और पोषण देते हैं। इसलिए सर्दी के मौसम में रोज एक गोंद के लड्डू खाना आपकी सेहत के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। यहां हम गोंद के लड्डू बनाने की रेसिपी बताने वाले हैं, जिसे फॉलो करके आप आसानी से घर पर इन्हें बना सकते हैं।

गोंद के लड्डू बनाने की विधि

सामग्री - गोंद - 100 ग्राम
सूखा मेवा (बादाम, काजू, किशमिश) - 100 ग्राम
घी - 100 ग्राम, गेहूं का आटा - 250 ग्राम
चीनी - 200 ग्राम, इलायची पाउडर - 1/2 चम्मच
सूखी अदरक पाउडर - 1/4 चम्मच
एक पैन में घी गर्म करें और उसमें गोंद डालकर सुनहरा होने तक भून लें।
एक अलग पैन में सूखे मेवे को हल्का-सा भून लें।
एक कड़ाही में गेहूं का आटा हल्का सुनहरा होने तक भून लें।
भूने हुए गोंद, सूखे मेवे, आटा, चीनी, इलायची पाउडर और सूखी अदरक पाउडर को एक बर्तन में मिला लें।
इस मिश्रण में थोड़ा-थोड़ा घी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और फिर छोटे-छोटे लड्डू बना लें।
लड्डू को ठंडा करके एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें।

गोंद के लड्डू खाने के फायदे

हड्डियों को मजबूत बनाते हैं- गोंद में कैल्शियम और मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

जोड़ों के दर्द में आराम- गोंद में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो जोड़ों के दर्द और सूजन को कम करने में मदद करते हैं।

पाचन तंत्र को दुरुस्त करते हैं- गोंद पाचन को बेहतर बनाने में मदद करता है और कब्ज की समस्या से राहत दिलाता है।

इम्युनिटी बढ़ाते हैं- गोंद में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो इम्युनिटी को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

सर्दी-खांसी में लाभकारी- गोंद गले की खराश और खांसी में आराम दिलाता है।

एनर्जी देते हैं- गोंद में कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं, जो शरीर को एनर्जी देते हैं।

किन लोगों को गोंद के लड्डू नहीं खाने चाहिए?

डायबिटीज के मरीज- चीनी की मात्रा ज्यादा होने के कारण डायबिटीज के मरीजों को गोंद के लड्डू सीमित मात्रा में या नहीं ही खाने चाहिए।

मोटापे से पीड़ित लोग- कैलोरी की मात्रा ज्यादा होने के कारण मोटापे से पीड़ित लोगों को गोंद के लड्डू कम मात्रा में ही खाने चाहिए।

लो इम्यूनिटी को तेजी से बूस्ट करता है गुड़

खांसी जुकाम में गुड़ खाने के फायदे- मौसमी इंफेक्शन और खांसी जुकाम में अक्सर कहा जाता है गुड़ खा लो। आज से नहीं दादी-नानी के जमाने से गुड़ को इम्यूनिटी बूस्टर फूड्स के रूप में देखा जाता है। लोग इसे अजवाइन के साथ लेते हैं। गुड़ का शरबत पीते हैं, गुड़ की चाय लेते हैं और फिर आप गुड़ को गर्म पानी के साथ कई प्रकार से ले सकते हैं। पर समझने वाली बात ये है कि गुड़ इम्यूनिटी बूस्ट क्यों और कैसे, जानते हैं इसके तमाम उन खास गुणों के बारे में जो हमें बीमारियों से बचा सकते हैं। गर्मी पैदा करता है गुड़- गुड़ की खास बात ये है कि इसे खाने से शरीर में गर्मी बढ़ती है। ये आपके शरीर के तमाम अंगों को एनर्जी देता है और मौसमी बदलाव के साथ शरीर को बीमारियों से बचाने में मदद करता है। इसके अलावा ये शरीर के बाहरी और अंदरूनी तापमान के बीच एक संतुलन बनाने में मदद करता है जिससे आप अचानक मौसम में आए बदलाव के कारण बीमार नहीं पड़ते। गुड़ है एंटी इंफ्लेमेटरी है- गुड़ एंटी बैतक्टीरियल गुणों से भरपूर है और शरीर में सूजन को रोकने मे मदद करता है। इस वजह से सर्दी-जुकाम में इसे खाना फायदेमंद हो जाता है। इससे गले की खराश समेत कई समस्याओं में कमी आती है। इसके अलावा सिर दर्द और कमजोरी में भी ये मददगार है क्योंकि गुड़ में आयरन है और ये आयरन रेड ब्लड सेल्स को बढ़ावा देता है।

गुड़ इम्यूनिटी बूस्टर है- गुड़ एंटीबैक्टीरियल है। ये टी सेल्स को बढ़ावा देता है और शरीर को मौसमी इंफेक्शन से बचाता है। इससे होता ये है कि आप कई मौसमी बीमारियों से बचे रहते हैं। जैसे अचानक से फ्लू होना। सूखी खांसी और कफ की समस्या में भी गुड़ का सेवन करना कई प्रकार से फायदेमंद है। तो, सर्दियां आ रही हैं तो अपनी डाइट में गुड़ को शामिल कर लें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नक्सलियों और सुरक्षा बल के बीच भीषण मुठभेड़, 7 नक्सली ढ़ेर

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिला स्थित दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में गुरुवार सुबह नक्सलियों और सुरक्षा बल के बीच भीषण मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। मुठभेड़ में सुरक्षा बलों को अब तक सात नक्सली ढेर हो चुके हैं। पुलिस को सात नक्सलियों के शव मिल चुके हैं। मुठभेड़ में सेंट्रल कमेटी स्तर के नक्सली के मारे जाने की सूचना आ रही है। सुबह तीन बजे से रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। पुलिस के अनुसार, नक्सल विरोधी सर्च अभियान में नारायणपुर, दंतेवाड़ा, जगदलपुर, कोंडागांव जिले की डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के साथ स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) तथा सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) की संयुक्त पार्टी दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में रवाना हुई थी। उन्होंने कहा कि मुठभेड़ सुबह करीब 3 बजे दक्षिण अबूझमाड़ के जंगल में उस समय शुरू हुई जब पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी।

कर्मचारी ने रोटी पर थूक लगा तंदूर में पकाया

-वीडियो वायरल होने पर हड़कंप मचा, पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी

गाजियाबाद । गाजियाबाद के एक होटल में कर्मचारी रोटी पर पहले थूक लगाता है फिर थूक लगी रोटी को तंदूर में डालकर पकाता है। घटना का वीडियो वायरल होने पर हड़कंप मच गया है। पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर आरोपी कर्मचारी की तलाश तेज कर दी है। बताया जा रहा है कि होटल आए एक ग्राहक ने चुपके से वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। हालांकि मीडिया रिपोर्ट में वीडियो की पुष्टि नहीं हो रही है। दरअसल सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें एक व्यक्ति रोटी बनाते हुए थूक रहा है। वीडियो की पुलिस ने जब जांच शुरू की तब वीडियो कृष्णा कालोनी स्थित ताज होटल का निकला। होटल के बाहर लगे तंदूर में होटल कर्मी रोटी बना रहे हैं। एक व्यक्ति रोटी पर थूक लगाकर तंदूर में डाल रहा था। पुलिस ने आरोपी की तलाश के लिए तीन टीमों का गठन किया गया है। जल्दी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। मामला सामने आने के बाद से आरोपी फरार हो गया है। आरोपी कर्मचारी का नाम सोहेल है। दरअसल, एक व्यक्ति अपने दोस्त के साथ खाना खाने के लिए नाज होटल गए थे। इस दौरान उन्होंने देखा कि रोटी बनाने वाला कर्मचारी थूक लगाकर रोटियों को तंदूर में डाल रहा है। उन्होंने चुपके से इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया, जो अब वायरल हो रहा है।

एयरपोर्ट से 540 दलाल गिरफ्तार, यात्रियों को अनाधिकृत सेवा के लिए करते थे मजबूर

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आईजीआई) के बाहर यात्रियों के साथ ठगी में शामिल 540 दलालों को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल की तुलना में इस साल गिरफ्तारियों की संख्या दोगुना से भी ज्यादा है। पिछले साल 264 दलालों की गिरफ्तारियां की गई थीं। पुलिस उपायुक्त (आईजीआई) ने कहा कि आरोपियों ने यात्रियों को अनधिकृत सेवाओं जैसे टैक्सी, आवास या शॉपिंग का इस्तेमाल करने के लिए मजबूर किया। इस प्रकार की गतिविधियां न केवल एयरपोर्ट और देश की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाती हैं, बल्कि यात्रियों की सुरक्षा को भी खतरे में डालती हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस ने इन अपराधों में इस्तेमाल किए गए 254 वाहनों भी जब्त किए हैं, जबकि 2023 में यह संख्या 96 थी। उन्होंने दलाली के आरोप में गिरफ्तार किए गए लोगों में से 373 दिल्ली से हैं, जबकि अन्य यूपी, हरियाणा, बिहार, राजस्थान, पंजाब, महाराष्ट्र, उत्तराखंड और सिक्किम के हैं। वहीं, एक अन्य अधिकारी ने कहा कि ये दलाल अकसर अनजान यात्रियों को अपना शिकार बनाते थे, खासतौर पर रात के समय टैक्सी चालक बनकर उन्हें सस्ती सेवाएं देने का झूठा वादा करते थे। इन भ्रामक तरीकों से यात्रियों को उत्पीड़न, वित्तीय शोषण और सुरक्षा जोखिम का सामना करना पड़ता है।

बाबू जी यह 5000 की महंगी साड़ियां आपको 500 रुपए में दे देंगे

-यूपी के आगरा की रोडवेज बसों में बेची जा रही अर्थी से उतरी साड़ियां

आगरा। यूपी की रोडवेज बसों में अक्सर लोग सस्ती चीजें बेचते नजर आते हैं। कोई फल, तो कोई पावरबैंक से लेकर टॉर्च सस्ते दामों पर बेचता है। कई बार यात्री सस्ते के चक्कर में ठगी का शिकार हो जाते हैं। आगरा में रात के अंधेरे में रोडवेज बसों में एक अलग तरह का फ्रॉड होता है। एक मीडिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है। रिपोर्ट बताती हैं कि जब रात के अंधेरे में बाजार बंद हो जाते हैं, तो यूपी रोडवेज की बसें चलती फिरती दुकान बन जाती हैं लेकिन इनमें यात्रियों को ठगा जाता है। कुछ ऐसा ही एक मामला सामने आया। बस में कुछ लोग साड़ियों के बंडल लेकर चढ़े और बेचने लगे। और ठग ने कहा बाबू जी यह 5000 की साड़ियों आपको 500 रुपए में दे देंगे। शख्स को व्यापारी ने 5000 रुपए की पांच साड़ियों का बंडल खरीदने के लिए कहा और मोलभाव करने पर सौदा पांच हजार से 500 पर आ गया। मतलब यह कि एक साड़ी महज 100 रुपए में पड़ रही थी। शख्स का कहना है कि जब उन्होंने साड़ियां दिखाने की बात की, तो उन्होंने बातों को टाल दिया और बेचने के बाद बस से उतर कर चले गए। वहीं जब साड़ियों को लेकर वह व्यक्ति घर पहुंचा तो पता चला कि कुछ साड़ी फटी थी और कुछ की क्वालिटी बेहद खराब थी। इसके बाद समझ आया कि आखिर व्यापारियों ने कैसे 5000 की साड़ियां 500 में कैसे दे दीं। साड़ियों के सस्ते में मिलने के बावजूद ठगों को फायदा ही होता है। इसकी बड़ी वजह आगरा के ही एक दुकानदार ने बताया कि ये साड़ियां अर्थी से उतरी हुई होती है। इतना ही नहीं, ये ठग भीख में मिली साड़ियों को सस्ते दामों में रात के अंधेरे में बेच देते हैं। दुकानदार ने यह भी आरोप लगाया कि इस ठगी में यूपी रोडवेज के ड्राइवर और कंडक्टर की भी मिलीभगत होती है।

वन नेशन वन इलेक्शन का ममता ने किया विरोध, बोलीं- दिल्ली की तानाशाही सनक के आगे नहीं झुकेगा बंगाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नरेंद्र मोदी कैबिनेट ने गुरुवार को वन नेशन वन वोट प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, यह बिल संसद के मौजूदा शीतकालीन सत्र में पेश किया जा सकता है। इसके बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र के फैसले का कड़ा विरोध किया। ममता बनर्जी ने आज दोपहर एक्स हैंडल पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने विशेषज्ञों और विपक्षी नेताओं द्वारा उठाई गई हर जायज चिंता को नजरअंदाज करते हुए असंवैधानिक और संघीय-विरोधी एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक को अपना रास्ता बना लिया है।

ममता बनर्जी ने आगे लिखा कि यह सावधानीपूर्वक सोचा गया सुधार नहीं है; यह भारत के लोकतंत्र और संघीय ढांचे को कमजोर करने के लिए बनाया गया एक सत्तावादी आरोप है। उन्होंने कहा कि हमारे सांसद संसद में इस कठोर कानून का पुरजोर विरोध करेंगे। बंगाल कभी भी दिल्ली की तानाशाही सनक के आगे नहीं झुकेगा। यह लड़ाई भारत के लोकतंत्र को निरंकुशता के चंगुल से बचाने की है! टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा कि हमारी नेता ममता बनर्जी पहले ही वन नेशन वन इलेक्शन पर हमारी पार्टी का रुख स्पष्ट कर चुकी हैं। हमारे देश में यह संभव नहीं है। इस बात की गारंटी कौन देगा कि एक बार वोट देने के बाद कोई सरकार पूरे कार्यकाल यानी 5 साल तक चलेगी। कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा 'एक देश, एक चुनाव' व्यवस्था लागू करने संबंधी विधेयक को मंजूरी दिये जाने के बाद बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि सरकार चुनावी शुचिता पर उठ रहे सवालों से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बृहस्पतिवार को 'एक देश, एक चुनाव' को लागू करने संबंधी विधेयकों को मंजूरी दे दी और मसौदा कानून मौजूदा शीतकालीन सत्र में संसद में पेश किए जाने की संभावना है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में यह फैसला किया गया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली समिति को पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा लिखे गए पत्र का हवाला देते हुए कहा कि पार्टी के रुख में कुछ बदलाव नहीं हुआ है। खरगे ने समिति को इस साल 17 जनवरी को पत्र लिखकर 'एक देश, एक चुनाव' के विचार का पुरजोर विरोध किया था। लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने बृहस्पतिवार को कहा कि पहले भी उनकी पार्टी ने चुनाव, चुनावी प्रणाली और चुनावी शुचिता से संबंधित कई सवाल उठाए हैं।

धमकी के बाद बांग्लादेश से भागी हिंदु लड़की भारत में घुसी, बताई दर्दभरी कहानी

नई दिल्ली। बांग्लादेश में परेशान होकर एक 17 साल की हिंदू लड़की रात भर भागती रही और भारतीय सीमा में घुस गई। उसे सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों ने हिरासत में लिया और पश्चिम बंगाल पुलिस को सौंप दिया। बता दें कि वह इस्कॉन की भक्त है। उसने कहा कि पिछले कई हफ्तों से उसके परिवार को अल्पसंख्यक समुदाय से होने के कारण धमकियां मिल रही थीं। स्थिति तब बेकाबू हो गई जब बांग्लादेश में कट्टरपंथियों ने उसे अगवा करने और उसके परिवार के बाकी सदस्यों को मार डालने की धमकी दी। तभी उसने अपने देश से भागने का फैसला किया।

लड़की के मुताबिक, उसे वैध तरीके से भारत आने के लिए अभी लंबा इंतजार करना पड़ता इसलिए उसने सीमा की तरफ पैदल ही भागने का फैसला किया। हालांकि सीमा सुरक्षा बल ने उसे पकड़ लिया और पुलिस हिरासत में भेज दिया। यहीं पर उसने अपने भागने की कहानी सुनाई। पुलिस के अनुसार, किशोरी लड़की पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले में सीमा से अवैध रूप से पार कर गई थी। उसने दावा किया कि उसके कुछ रिश्तेदार भारत में रहते हैं और जाहिर तौर पर वह उनके घर जा रही थी। पुलिस इस बात को लेकर आश्वस्त होना चाहती है। अब मामले की जांच की जा रही है। यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि सीमा पार करने में उसके साथ कोई और था या किसी ने उसकी मदद की। बांग्लादेश में सांप्रदायिक हिंसा की घटनाएं बढ़ रही हैं और हिंदू अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। प्रशासन की ओर से इस पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। 25 नवंबर को ढाका में हिंदू पुजारी चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी के बाद से इस्कॉन के भक्त सबसे ताजा निशाना बने हैं।

पति को सजा देने के लिए नहीं है गुजारा भत्ता: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआई इंजीनियर अतुल सुभाष के पत्नी की प्रताड़ना से तंग आकर खुदकुशी मामले के बीच एक मामले की सुनवाई में पत्नी को भरण पोषण के मसले पर कोर्ट ने कहा कि भरण-पोषण की रकम इतनी होनी चाहिए कि पति पर भार न पड़े, लेकिन पत्नी को भी ठीक से जीवन जीने की व्यवस्था हो। साथ ही कोर्ट ने कहा कि कोई ऐसा फिक्स नियम नहीं है जो ज्यों का त्यों लागू कर दिया जाए। कोर्ट ने कहा है कि क्रूरता कानून का गलत फायदा उठाने की इजाजत किसी को नहीं दी जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि इस मामले में अदालत ने कहा कि हिंदू विवाह अधिनियम के तहत अधिकार क्षेत्र के अनुसार, दंपति का विवाह 'पूरी तरह से टूट चुका था', लेकिन पत्नी को स्थायी गुजारा भत्ता देने की जरूरत थी। कहा कि 'जैसा हमने किरण के मामले में कहा था, स्थायी भरण-पोषण की रकम ऐसी होनी चाहिए कि वह पति को सजा देने वाली नहीं हो, बल्कि पत्नी को एक अच्छा जीवनस्तर देने वाली हो।

कोर्ट ने यह स्पष्ट किया है कि पत्नी को भरण-पोषण की रकम इतनी मिलनी चाहिए कि वह सम्मान के साथ जीवन जी सके, लेकिन यह रकम इतनी भी न हो कि पति को आर्थिक दिक्कत होने लगे। भरण-पोषण का उद्देश्य यह है कि पत्नी के 'जीवनस्तर' में गिरावट न आए और वह ठीक से अपनी जिंदगी जी सके।

बता दें कि अतुल के सुसाइड नोट, जिसमें उसकी पत्नी और ससुराल वालों द्वारा उत्पीड़न का जिक्र था, ने देश में दहेज कानूनों के दुरुपयोग पर भारी फोकस ला दिया है। बता दें कि अतुल सुभाष ने मरने से पहले एक घंटे का एक वीडियो बनाया और अपनी आपबीती साझा की जिससे पूरा देश सकते में है। वीडियो में अतुल सुभाष ने पत्नी निकिता, सौरल वाले और फैमिली कोर्ट की जज रीता कौशिक समेत पांच लोगों को अपनी मौत का जिम्मेदार ठहराया है।

राहुल गांधी को हाथरस की चार साल बाद याद आई वह राजनीति कर रहे हैं

यूपी सरकार में मंत्री ओपी राजभर ने विपक्षी नेताओं पर कसा तंज

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के अचानक हाथरस दौरे पर यूपी सरकार में मंत्री ओपी राजभर ने कहा कि राहुल गांधी को चार साल बाद हाथरस की याद आई। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सिर्फ राजनीति कर रहे हैं। कांग्रेस के राज में दलितों की बस्तियों को जलाया जाता था। आज ऐसी घटनाएं नहीं होती हैं। कांग्रेस की सरकार में बड़े पैमाने पर दंगे और कर्फ्यू लगाया जाता था। अब ये मुद्दे शांत हो गए हैं और इनको उम्मीद है कि यह फिर से सत्ता में वापसी कर लेंगे, लेकिन जनता के साथ जो उन्होंने किया, उसका जवाब जनता दे रही है। उन्हें हाथरस जाना है तो जाएं।

सदन में कार्यवाही स्थगित होने पर उन्होंने कहा कि राहुल गांधी राजनीति करते हैं और समाजवादी पार्टी अपनी राजनीति करती है। सपा चाहती है जिन मुद्दों पर वह स्टैंड ले रही हैं कांग्रेस उन्हीं मुद्दों को उठाए, लेकिन कांग्रेस को यह पसंद नहीं है। कांग्रेस खुद को राष्ट्रीय पार्टी और सपा को क्षेत्रीय पार्टी मानती है। इस तरह के व्यवहार से बचना चाहिए, लेकिन उनके बीच अंदरूनी कटुता है।

उद्धव ठाकरे गुट शिवसेना के नेता संजय राउत के बयान पर राजभर ने कहा कि अब ये व्यक्तिगत बयान नहीं रह गया है, ये लोकतंत्र है। लोकतंत्र में जनता ने तीसरी बार सरकार चुनी है। अगर महाराष्ट्र में हालात इतने खराब थे तो बीजेपी को पूर्ण बहुमत कैसे मिल गया? इसी तरह अगर हरियाणा में हालात प्रतिकूल थे तो बीजेपी वहां पूर्ण बहुमत कैसे ला पाई? इस पर भी विचार किया जाना चाहिए। वह नेता हैं, कैसा भी बयान दे सकते हैं, लेकिन बाद में कहते हैं कि मेरे बयान को गलत तरीके से पेश किया गया।

असम में एनआरसी और आधार कार्ड के मुद्दे पर राजभर ने कहा कि वहां की सरकार की यह पहल है। हर राज्य में सरकार अपने हिसाब से काम करती है। वहीं, समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल द्वारा किसानों से मुलाकात पर उन्होंने कहा कि जब सरकार में होते हैं तो उन्हें किसान, अल्पसंख्यक याद नहीं आते।

खुश नहीं हैं शिंदे! महायुति का बर्ताव भी नहीं आ रहा पसंद, दिल्ली भी नहीं गए

मुंबई। महाराष्ट्र में सरकार बनने के बाद भी महासंग्राम थमने का नाम नहीं ले रहा है। यहां महायुति के नेताओं में आपसी अनबन अभी भी दिखाई दे रही है। खबरें हैं कि आलाकमान से दिल्ली में हुई मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम अजित पवार के साथ उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मौजूद नहीं थे। कहा जा रहा है कि बड़े मंत्रालयों पर मतभेद सुलझने के बाद भी गठबंधन सरकार में कुछ मुद्दों पर रार जारी है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि इस सप्ताह कैबिनेट विस्तार हो सकता है। खबरों के अनुसार, शिवसेना प्रमुख के कार्यालय की तरफ से जानकारी दी गई है कि शिंदे बुधवार को हुई बैठक में मौजूद नहीं थे। यह बैठक ऐसे समय पर हुई है, जब राज्य में विभागों के बंटवारे को लेकर चर्चाएं चल रही हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा प्रमुख जगत प्रकाश नड्डा के साथ हुई मीटिंग में अजित पवार भी शामिल रहे थे। खास बात है कि पहले शिंदे भी बैठक में शामिल होने वाले थे, लेकिन बाद में उन्होंने नहीं जाने का फैसला किया। बताया गया है कि शहरी विकास विभाग के अलावा शिंदे पक्ष को कोई भी बड़ा मंत्रालय नहीं दिया गया है। वह राजस्व, लोक निर्माण, एमएसआरडीसी, आवास और उद्योग में दिलचस्पी दिखा रहे थे, लेकिन भाजपा ने मांग को स्वीकार नहीं किया। खबर है कि शिंदे भाजपा की इस शर्त से भी खफा थे कि पिछली सरकार में जिनपर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं, उन नेताओं को नहीं चुना जाएगा। शिंदे के एक करीबी ने कहा, इस पूरी प्रक्रिया में शिंदे उनके साथ हुए व्यवहार से भी खफा हैं। उन्होंने कहा, उन्हें हर चीज में तोल मोल करना पड़ा। उन्हें लगता है कि सत्ता में उन्हें उचित हिस्सा नहीं दिया गया। जबकि, महाराष्ट्र में महायुति की जीत में उन्होंने बड़ी भूमिका निभाई है ऐसे में वह ठाणे स्थित आवास में ही रहे और दिल्ली नहीं गए।

असम सरकार का बड़ा फैसला: एनआरसी के लिए आवेदन करने पर ही मिलेगा आधार कार्ड

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम सरकार ने एनआरसी के लिए बड़ा फैसला लिया है। यहां अब एनआरसी के लिए आवेदन करने वालों को ही आधार कार्ड मिलेगा। जिन्होंने आवेदन नहीं किया है या करना नहीं चाह रहे है वे आधार कार्ड से वंचित रहेंगे। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि संकटग्रस्त बांग्लादेश के नागरिकों द्वारा घुसपैठ की कोशिशों को देखते हुए कैबिनेट की बैठक के दौरान यह फैसला लिया गया।

उन्होंने कहा, पिछले 2 महीने में असम पुलिस, त्रिपुरा पुलिस और बीएसपी ने बड़ी संख्या में घुसपैठियों को पकड़ा है। यही कारण है कि बांग्लादेश से घुसपैठ हमारे लिए चिंता का विषय है। हमें अपनी प्रणाली को मजबूत करने की आवश्यकता है और इसीलिए हमने आधार कार्ड तंत्र को सख्त बनाने का निर्णय लिया है। सरमा ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद कहा कि अब से राज्य सरकार का सामान्य प्रशासन विभाग आधार आवेदकों के सत्यापन के लिए नोडल एजेंसी होगा और प्रत्येक जिले में एक अतिरिक्त जिला आयुक्त संबंधित व्यक्ति होगा।उन्होंने कहा, प्रारंभिक आवेदन के बाद, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) इसे सत्यापन के लिए राज्य सरकार को भेजेगा। स्थानीय सर्किल अधिकारी (सीओ) पहले यह जांच करेगा कि आवेदक या उसके माता-पिता या परिवार ने एनआरसी में शामिल होने के लिए आवेदन किया है या नहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर एनआरसी के लिए कोई आवेदन नहीं है, तो आधार अनुरोध को तुरंत खारिज कर दिया जाएगा और तदनुसार केंद्र को एक रिपोर्ट सौंपी जाएगी।

केंद्रीय कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा नियम

सीएम ने कहा, अगर यह पाया जाता है कि एनआरसी के लिए कोई आवेदन था, तो सीओ सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार क्षेत्र-स्तरीय सत्यापन के लिए जाएंगे। अधिकारी के पूरी तरह से आश्वस्त होने के बाद, आधार को मंजूरी दी जाएगी। हालांकि, सरमा ने कहा कि यह नया निर्देश उन केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा, जो दूसरे राज्यों में काम कर रहे हैं और जिन्होंने एनआरसी के लिए आवेदन नहीं किया है। उन्होंने कहा, इस तरह, हम अपने आधार जारी करने की प्रणाली को मजबूत करने के लिए एक सख्त तंत्र लागू करेंगे ताकि कोई भी संदिग्ध व्यक्ति यह पहचान पत्र न पा सके।

दिल्ली विधानसभा चुनाव: ओबीसी को साधेगी भाजपा, 52 जातियों से संवाद करेंगे दिग्गज नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी अपना वोट बैंक मजबूत करने के लिए बड़ी रणनीति बना रही है। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए पार्टी ने ओबीसी को साधने के लिए पूरा प्लान तैयार किया है। इसके लिए 52 जातियों को एकजुट करेंगे और इन्हे एकजुट कर इनसे भाजपा के दिग्गज नेता संवाद करेंगे। कोशिश करेंगे कि किसी भी हाल में ओबीसी को भाजपा से सीधा कनेक्ट किया जाए ताकि वोट बैंक मजबूत हो सके।

1998 से दिल्ली में भाजपा सत्ता से बाहर है। यहां पार्टी कई तरह के फॉर्मूले अपना चुकी है लेकिन कामयाबी से काफी दूर है। दिल्ली भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि अभियान की शुरुआत पाल समुदाय के सदस्यों की एक बैठक से हुई, जिसमें केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में रवा राजपूत, कश्यप, राजभर, जोगी, लोधी और तेली समेत अन्य ओबीसी उपजातियों की बैठकें होंगी, जिनमें पार्टी के प्रमुख नेता भी भाग लेंगे।

यादव ने कहा, ओबीसी समुदाय के लोग दिल्ली में मतदाताओं का सबसे बड़ा वर्ग हैं। अन्य पिछड़े वर्गों में से कई की संख्या कम है और वे इस अभियान का केंद्र हैं। दिल्ली में 70 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव अगले साल फरवरी में होंगे। भाजपा 1998 से दिल्ली की सत्ता से बाहर है। उन्होंने कहा कि बैठकों और सम्मेलनों के अलावा ओबीसी समुदाय से जुड़े प्रोफेशनल और महिलाओं की दो बड़ी बैठकें भी आयोजित करेगा।

ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष ने कहा कि इन बैठकों में शहर के प्रमुख व्यक्ति, जिसमें प्रोफेशनल, उद्यमी, कारोबारी और ओबीसी समुदाय के अन्य प्रभावशाली सदस्य शामिल होंगे। यादव ने कहा कि भाजपा ओबीसी नेता नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा किए गए कार्यों के बारे में बताएंगे, जैसे राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देना और 127वां संविधान संशोधन पारित करना, जिसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पिछड़े वर्गों की अपनी सूची तैयार करने की अनुमति दी गई।

जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल बर्फ से ढंके, रुक-रुक कर हो रही बर्फबारी

-दिल्ली से ज्यादा ठंडा एनसीआर, आने वाले दो दिन ऐसा ही रहेगा मौसम

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के खूबसूरत पर्यटन स्थल बर्फ से ढके हैं, क्योंकि घाटी के कई इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई है, इसमें बांदीपुरा, बारामुल्ला और गुरेज शामिल हैं। कश्मीर के बर्फ से ढके पहाड़ों ने पर्यटकों को ठंड के मौसम में खुश होने का मौका दिया है। प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार, गुलमर्ग, सोनमर्ग और गुरेज में ताजा बर्फबारी हुई, जबकि घाटी के अन्य इलाकों में रुक-रुक कर बर्फबारी हो रही है। ऐसा जम्मू-कश्मीर में आए ताजा पश्चिमी विक्षोभ के कारण हुआ है, इससे घाटी के ऊंचे इलाकों में भारी बर्फबारी हुई है। पिछले महीने, लद्दाख में भी मौसम की पहली बर्फबारी हुई, जिसने खूबसूरत पहाड़ों को सफेद चादर से ढक दिया। कश्मीर के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी हुई है, लेकिन मौसम में मैदानी इलाकों में अभी तक बर्फबारी नहीं हुई है। सोनमर्ग में बर्फबारी ने पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना दिया है, क्योंकि लोग हिमालय के मौसम का आनंद लेने और खुद को ठंड से बचाने के लिए गर्म कपड़ों और स्कार्फ में बर्फ से ढकी जमीन पर निकल पड़े हैं।

इस बीच, आसमान में बादल छाए रहने के कारण श्रीनगर सहित पूरे कश्मीर में रात का तापमान बढ़ गया। हालाँकि, कश्मीर घाटी में न्यूनतम तापमान हिमांक बिंदु से नीचे रहा।

श्रीनगर शहर में न्यूनतम तापमान माइनस 3 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो पिछली रात के मौसम के सबसे कम माइनस 5.4 डिग्री सेल्सियस से अधिक था। गुलमर्ग में न्यूनतम तापमान माइनस 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि पहलगाम में न्यूनतम तापमान माइनस 1.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। काजीगुंड में न्यूनतम तापमान शून्य से 4.4 डिग्री सेल्सियस नीचे और कुपवाड़ा में शून्य से 4.5 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया।

दिल्ली से ज्यादा ठंडा एनसीआर, छप्पर पर जमी सफेद परत

धीरे-धीरे सर्दी के तेवर दिखाने लगे हैं। एनसीआर के रेवाड़ी, महेंद्रगढ़ और नारनौल में दिल्ली से ज्यादा सर्दी पड़ रही है। मौसम विभाग के मुताबिक, बृहस्पतिवार को न्यूनतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे सर्द सुबह रहा। पिछले साल की तुलना में दिसंबर पहले 12 दिन ज्यादा ठंडक रहे हैं। वहीं, नारनौल में 2.2 डिग्री सेल्सियस और महेंद्रगढ़ में 1.2 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ।

पिछले छह दिनों से न्यूनतम तापमान दस डिग्री सेल्सियस से नीचे चल रहा है। गुरुवार सुबह से ही आसमान साफ होने और धूप निकलने के बाद भी ठिठुरन से राहत नहीं मिली है। खुले में रखे टंकियों का पानी फ्रीज में रखे हुए ठंड की तरह है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार अभी सर्दी का फसलों विशेषकर गेहूं और सरसों के लिए फायदेमंद है। दिन में अच्छी धूप निकलने से फसलों को फायदा मिलेगा। आने वाले दो-तीन दिन ऐसी ही स्थिति रह सकती है।

गुरुग्राम में 6.2 डिग्री पारे के साथ सीजन की सबसे सर्द सुबह रही

गुरुग्राम में लगातार पारा लुढ़क रहा है। 6.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सीजन की सबसे सर्द सुबह रही। छह बजे से नौ बजे तक ठंडी हवा ने ठिठुरन बढ़ा दी। दिन में अच्छी धूप खिली और दिनभर मौसम साफ रहा। अधिकतम तापमान 21.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तीन दिन से लगातार तापमान में गिरावट आने से सुबह-शाम अचानक सर्दी बढ़ गई है। लोग अब गरम कपड़े पहने हुए नजर आने लगे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

सड़क दुर्घटना में आठ लोगों की मौत, 5 घायल

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के रौतहाट जिले में मंगलवार को एक स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। वाहन में 13 लोग सवार थे। इस वाहन पर तीर्थयात्री सवार थे जो कि बारा जिले में एक मंदिर का दर्शन घर लौट रहे थे। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, रौताहट जिला पुलिस के सूचना अधिकारी राम कुमार महतो ने बताया, शुरुआती जांच से पता चलता है कि ड्राइवर तेज रफ्तार से गाड़ी चला रहा था जिसकी वजह से वह वाहन पर नियंत्रण नहीं रख पाया। महतो ने बताया कि घायलों में से एक की हालत गंभीर है और सभी पीड़ित सिराहा जिले के एक ही गांव के हैं। इससे पहले 29 नवंबर को एक वाहन चट्टान से गिर गया था। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार, जिला पुलिस प्रमुख प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि बागमती प्रांत के रामेछाप जिले में आठ लोगों को ले जा रहा वाहन करीब 300 मीटर नीचे एक चट्टान से गिर गया। पहाड़ी नेपाल में यातायात दुर्घटनाएं आम हैं, जिनमें हर साल सैकड़ों लोगों की जान जाती है।

यमन के हौथी समूह ने तीन अमेरिकी सैन्य आपूर्ति जहाजों को निशाना बनाने का दावा किया

सना, एजेंसी। यमन के हौथी समूह ने जिबूती बंदरगाह से रवाना होने के बाद तीन अमेरिकी सैन्य आपूर्ति जहाजों को निशाना बनाने का दावा किया। हौथी सैन्य प्रवक्ता याह्या सरिया ने एक टेलीविजन बयान में कहा, हमने अदन की खाड़ी में दो अमेरिकी विध्वंसक जहाजों को भी निशाना बनाया, जो आपूर्ति जहाजों की सुरक्षा कर रहे थे। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रवक्ता ने कहा कि उनके समूह ने अभियान में कई रॉकेट और बम से लदे ड्रोन का इस्तेमाल किया। उन्होंने दावा किया कि यह हमला सटीक था। उन्होंने दावा किया, यह 10 दिनों में उन्हीं जहाजों और विध्वंसक जहाजों के खिलाफ दूसरा अभियान है। प्रवक्ता ने यह भी दावा किया कि उनके समूह ने मंगलवार सुबह इजरायल के जाफा और अश्कलोन क्षेत्रों में दो ड्रोनों का उपयोग कर इजरायली सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया था। हौथी समूह उत्तरी यमन के अधिकांश हिस्से को नियंत्रित करता है। कथित तौर पर इजरायल के साथ चल रहे संघर्ष के बीच गाजा में फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए समूह नवंबर 2023 से इजरायल की ओर रॉकेट और ड्रोन लॉन्च कर रहा है। वह लाल सागर में इजरायल से जुड़ी शिपिंग को रोक रहा है। जवाब में, जनवरी से ही जलक्षेत्र में तैनात अमेरिकी-ब्रिटिश नौसैनिक गठबंधन ने हौथी ठिकानों पर हवाई हमले और मिसाइल हमले किए हैं, जिसके कारण हौथी हमलों में विस्तार हुआ है। इसमें अमेरिकी और ब्रिटिश कमर्शियल जहाज और नौसैनिक जहाज भी शामिल हो गए हैं।

मॉस्को में पुतिन से मिले राजनाथ सिंह, कहा- भारत-रूस की दोस्ती समुद्र से भी गहरी

मॉस्को, एजेंसी। रूस की यात्रा पर गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को मॉस्को में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच संबंधों पर चर्चा की. बैठक में राजनाथ ने कहा कि भारत-रूस की दोस्ती सबसे ऊंचे पर्वत से भी ऊंची और सबसे गहरे महासागर से भी गहरी है. भारत की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने कहा कि भारत-रूस के बीच साझेदारी में अपार संभावनाएं हैं और संयुक्त प्रयास बड़े परिणामों का मार्ग प्रशस्त करेंगे. राजनाथ ने मॉस्को में रूसी रक्षा मंत्री एंड्री बेलौसोव के साथ सैन्य और सैन्य सहयोग पर भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग के 21वें सत्र की सह-अध्यक्षता भी की. रक्षा मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि सिंह ने पुतिन को बताया कि भारत हमेशा अपने रूसी मित्रों के साथ खड़ा रहा है और भविष्य में भी ऐसा करना जारी रखेगा. रक्षा मंत्री सिंह ने राष्ट्रपति पुतिन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं. रक्षा मंत्री ने एक्स पर कहा कि मॉस्को के क्रेमलिन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलकर खुशी हुई. राजनाथ सिंह रविवार को रूस की तीन दिवसीय यात्रा पर रवाना हुए थे. उनकी यह यात्रा पीएम मोदी की मॉस्को यात्रा और पुतिन के साथ शिखर वार्ता के पांच महीने बाद हुई है. शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों पक्षों ने भारत-रूस रक्षा और सैन्य संबंधों को और आगे बढ़ाने की कसम खाई थी. बेलौसोव के साथ वार्ता के दौरान राजनाथ ने भारत को सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली एस-400 ट्रायम्फ की दो शेष इकाइयों की आपूर्ति में तेजी लाने पर जोर दिया. साथ ही विभिन्न सैन्य हार्डवेयर के संयुक्त उत्पादन में रूसी रक्षा कंपनियों के लिए भारत में नए अवसरों को रेखांकित किया. उन्होंने कहा कि भारत-रूस संबंध बहुत मजबूत हैं और एक विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी की जिम्मेदारियों को पूरा किया है।

साउथ कोरिया के पूर्व रक्षामंत्री ने आत्महत्या की कोशिश की, एक दिन पहले ही गिरफ्तारी हुई थी

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया के पूर्व रक्षा मंत्री किम योंग-ह्यून ने आत्महत्या करने का प्रयास किया है। उन्होंने पुलिस हिरासत में रहने के दौरान यह कोशिश की, लेकिन उनको बचा लिया गया। कमिश्नर जनरल ऑफ कोरिया करेक्शनल सर्विस की ओर से बुधवार सुबह ही यह जानकारी दी गई। किम योंग पर आरोप है कि उन्होंने देश में मार्शल लॉ घोषित कराने में अहम भूमिका अदा की थी। किम योंग को सियोल में ही रविवार को अरेस्ट किया गया था। राष्ट्रपति यून सुक यिओल की ओर से मार्शल लॉ का ऐलान किया गया था, जिससे लोगों में गुस्सा भड़क गया था। अब उस आदेश को वापस ले लिया गया है, लेकिन राजनीतिक संकट अब भी बरकरार है।

किम के बारे में कहा जा रहा है कि देश में मार्शल लॉ की सिफारिश करने वाले वह पहले शख्स थे। इस मामले में उन्हें अरेस्ट भी सबसे पहले किया गया। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक किम ने अंडरवियर के सहारे आत्महत्या करने की कोशिश की। उन्होंने डिटेंशन सेंटर में ही ऐसा करने का प्रयास किया, लेकिन सुरक्षाकर्मियों की नजर पड़ गई। राष्ट्रपति यून सुक यिओल की ओर से मार्शल लॉ का ऐलान किया गया था। कहा जा रहा है कि इसकी सिफारिश करने वाले पहले नेता किम ही थे। अपने पद से इस्तीफा देने वाले किम का अस्थायी तौर पर मार्शल लॉ लगवाने में योगदान था। विपक्षी सदस्यों और सीनियर मिलिट्री

अधिकारियों के पास मौजूद दस्तावेजों के अनुसार किम ने ही राष्ट्रपति के सामने मार्शल लॉ का प्रस्ताव रखा था। इससे पहले विशेष पुलिस जांच यूनिट ने साउथ कोरिया के राष्ट्रपति ऑफिस में रेड मारी थी। इस दौरान वहां से कुछ दस्तावेजों की जांच की गई थी। इससे भी कुछ जानकारी मिली है कि आखिर किसने मार्शल लॉ का प्रस्ताव रखा था और क्यों यह लगाया गया। साउथ कोरिया में मार्शल लॉ लगने के बाद बड़े पैमाने पर उपद्रव हो गए थे, जिसके बाद यह फैसला वापस लेना पड़ा।

मार्शल लॉ मामले में गिरफ्तार होने वाले पहले शख्स बने किम : साउथ कोरिया में 3 दिसंबर को राष्ट्रपति यून सुक योल ने रक्षा मंत्री किम के साथ मिलकर देश में मार्शल लॉ लगा दिया था। हालांकि, यह 6 घंटे ही चल पाया था। इसके 2 दिन बाद रक्षा मंत्री किम ने मार्शल लॉ की जिम्मेदारी लेते हुए पद से इस्तीफा दे दिया था। साउथ कोरिया के पूर्व रक्षा मंत्री को मंगलवार रात गिरफ्तार कर लिया गया था। वे मार्शल लॉ मामले में गिरफ्तार होने वाले पहले शख्स हैं। उन पर विद्रोह, अधिकारों के दुरुपयोग समेत कई आरोप हैं। सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने बुधवार को उनकी गिरफ्तारी की मंजूरी दी थी। कोर्ट ने ये माना था कि जेल से बाहर रहते हुए वे सबूत नष्ट करवा सकते हैं।

राष्ट्रपति और रक्षा मंत्री समेत 9 लोगों पर केस दर्ज : मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने यून के मार्शल लॉ लागू करने को असंवैधानिक, अवैध विद्रोह या तख्तापलट कहा है। इसे लेकर राष्ट्रपति यून और पूर्व रक्षा मंत्री सहित नौ लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है। शनिवार को महाभियोग प्रस्ताव पर वोटिंग से पहले राष्ट्रपति यून सुक-योल ने मार्शल लॉ लगाने के लिए देश से माफी मांगी थी। उन्होंने लाइव टीवी पर सिर झुकाकर जनता के सामने मार्शल लॉ लगाए जाने को गलत कहा था। हालांकि, उन्होंने इस्तीफे की घोषणा नहीं की।

राष्ट्रपति के खिलाफ दोबारा लाया जा सकता है महाभियोग प्रस्ताव : राष्ट्रपति यून सुक-योल को हटाने के लिए लाया गया महाभियोग प्रस्ताव फेल हो गया। इसे पास होने के लिए 200 वोटों की जरूरत थी, लेकिन विपक्ष के पास सिर्फ 192 सांसद ही थे।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार से दुखी हैं कनाडाई हिंदू, टोरंटो में किया प्रदर्शन

टोरंटो, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही ज्यादती के खिलाफ टोरंटो में विरोध प्रदर्शन किया गया। कनाडाई हिंदुओं ने बांग्लादेश की सरकार से हिंसा पर रोक लगा शांति बहाली की अपील की है। लेकिन, बांग्लादेश में हिन्दुओं के साथ हो अत्याचार की घटनाएं बढ़ ही रही हैं। बुधवार को कनाडाई हिंदू समुदाय ने बांग्लादेशी वाणिज्य दूतावास के बाहर एकत्र होकर धरना प्रदर्शन किया। कनाडाई हिंदू वालंटियर्स द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न पृष्ठभूमियों के लोग एकत्रित हुए। सभी ने इस दौरान कहा है कि बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। सभी ने बांग्लादेश में हो रही हिंसा के खिलाफ वैश्विक हस्तक्षेप का आह्वान किया। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख, मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस पर हिंदुओं के खिलाफ व्यापक हिंसा और भेदभाव फैलाने का आरोप लगाया। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने बांग्लादेश में हिन्दुओं पर अत्याचार, हिन्दू मंदिरों में तोड़फोड़, मंदिरों के पुजारियों की क्रूर हत्याओं समेत हिन्दू नेताओं को अन्यायपूर्ण तरीके से कैद किए जाने पर नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शनकारियों ने यह भी दावा किया है कि बांग्लादेश में हिंदू लोगों को व्यवस्थित रूप से उनकी नौकरियों से हटाया जा रहा है, उनके परिवारों को लूटा जा रहा है।

जापान सरकार ने घटती जनसंख्या को देखते हुए हफ्ते में तीन दिन छुट्टी का किया ऐलान

टोक्यो, एजेंसी। जापान की राजधानी टोक्यो में घटती जनसंख्या को देखते हुए सरकार ने बड़ा कदम उठाने का फैसला किया है। यहां जल्द ही चार दिन का वर्कवीक लागू किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य लोगों को परिवार के साथ अधिक समय बिताने का मौका देना है, जिससे वे अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित हों। टोक्यो के गवर्नर ने घोषणा की है कि 1 अप्रैल से कर्मचारियों को हफ्ते में तीन दिन की छुट्टी मिलेगी। इसके साथ ही, जिन कर्मचारियों के बच्चे प्राइमरी स्कूल में हैं, उन्हें समय पर काम से घर जाने की अनुमति दी जाएगी। गवर्नर ने कहा, हम ऐसा सिस्टम बनाएंगे, जिसमें किसी को करियर और परिवार के बीच समझौता नहीं करना पड़े। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, जापान की वर्तमान जन्मदर सिर्फ 1.2त्न है, जबकि आबादी को स्थिर रखने के लिए यह दर 2.1त्न होनी चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि यह दर नहीं बढ़ी, तो अगले 120 वर्षों में जापान विश्व के नक्शे से गायब हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि शहरीकरण, आधुनिकीकरण, देर से शादी का प्रचलन, परिवार नियोजन, और आर्थिक दबाव जैसे कारण जन्मदर में गिरावट के लिए जिम्मेदार हैं। जापान में बुजुर्गों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, जिससे अर्थव्यवस्था पर बोझ बढ़ता जा रहा है। जानकारों का कहना है कि चार दिन का वर्कवीक इस समस्या का एक संभावित समाधान हो सकता है। इससे लोग परिवार के साथ अधिक समय बिता सकेंगे और बच्चों की देखभाल भी बेहतर तरीके से कर सकेंगे। जापान के इस कदम से यह उम्मीद की जा रही है कि इससे जन्मदर को बढ़ावा मिलेगा और देश की जनसंख्या में गिरावट को रोका जा सकेगा।

एलन मस्क बनेंगे दुनिया के पहले 400 अरब डॉलर क्लब के सदस्य

वाशिंगटन, एजेंसी। 'अबकी बार 400 पार' अमेरिका में एलन मस्क के लिए कोई पॉलिटिकल नारा नहीं है बल्कि उनकी नेटवर्थ से जुड़ा हुआ है। एलन मस्क की कुल संपत्ति 400 अरब डॉलर के बेहद करीब पहुंच गई है और जानकारों का अनुमान है कि वे अगले कुछ दिनों में इस जादुई आंकड़े को पार कर लेंगे। साल खत्म होने में करीब 20 दिन बाकी हैं और मस्क केवल 16 अरब डॉलर से 400 अरब डॉलर की नेटवर्थ तक पहुंचने से चूक रहे हैं। एलन मस्क की दौलत में हाल ही में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है और इसका बड़ा कारण डोनाल्ड ट्रंप की जीत मानी जा रही है। 5 नवंबर के बाद से एलन मस्क की संपत्ति में 120 अरब डॉलर का इजाफा हुआ है। वहीं इस पूरे साल में उनकी कुल नेटवर्थ में 150 अरब डॉलर का इजाफा देखने को मिला है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के मुताबिक एलन मस्क की वर्तमान नेटवर्थ 384 अरब डॉलर है। हाल ही में उनकी संपत्ति में 8 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ है। इससे पहले एक दिन में ही उनकी संपत्ति में 14 बिलियन डॉलर का इजाफा हुआ था। इसका मतलब यह है कि पिछले कुछ दिनों में ही एलन मस्क की दौलत में 20 अरब डॉलर से अधिक का इजाफा हो चुका है। एलन मस्क अब सिर्फ 16 अरब डॉलर दूर हैं 400 अरब डॉलर के आंकड़े से। इस रफ्तार से उनकी नेटवर्थ बढ़ रही है तो संभव है कि इस हफ्ते के अंत तक वह 400 अरब डॉलर की सीमा पार कर लें।

बांग्लादेशी राजनेता ने भारत के बहिष्कार का आह्वान किया

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की मुख्य विपक्षी पार्टी बीएनपी के एक वरिष्ठ नेता ने भारत-बांग्लादेश के बीच बढ़ते तनाव के बीच प्रतीकात्मक विरोध में भारत में बनी चादर को सार्वजनिक रूप से जलाया। पार्टी के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव एडवोकेट रूहुल कबीर रिजवी ने मंगलवार को राजशाही शहर में 'भारतीय उत्पादों का बहिष्कार' कार्यक्रम के दौरान राजस्थान के जयपुर में कथित रूप से निर्मित चादर को आग के हवाले कर दिया।

बीएनपी नेता ने छपी चादर को हाथ में लेकर कहा, यह चादर भारत के जयपुर, राजस्थान की राजधानी से है। यह चादर जयपुर टेक्सटाइल द्वारा बनाई गई है... हम भारतीय आक्रामकता के खिलाफ विरोध जताने के लिए ऐसा कर रहे हैं। इसके बाद उन्होंने चादर को सड़क पर फेंक दिया और पार्टी के सदस्यों को उसे जलाने का निर्देश दिया। इसके बाद बीएनपी कार्यकर्ताओं ने चादर पर मिट्टी का तेल छिड़का और उसे आग लगा दी। वे चादर को रौंदते भी दिखे, जबकि भीड़ बांग्लादेश के समर्थन और भारत विरोधी नारे लगा रही थी।

रिजवी ने अपदस्थ बांग्लादेशी प्रधानमंत्री का हवाला देते हुए कहा, हम भारतीय उत्पादों का बहिष्कार कर रहे हैं, क्योंकि वे इस देश के लोगों के लिए उपयुक्त नहीं हैं। उनकी दोस्ती केवल शेख हसीना से है। रिजवी ने कहा कि उन्होंने भारत में शरण ले रखी है। यह पहली बार नहीं है जब रिजवी ने भारतीय उत्पादों का बहिष्कार किया है। पिछले सप्ताह उन्होंने भारत में बांग्लादेशी राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के खिलाफ अपनी पत्नी की भारत निर्मित साड़ी को आग के हवाले कर दिया था।

उन्होंने 5 दिसंबर को ढाका में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, यह भारतीय साड़ी है। यह मेरी

पत्नी की थी और उन्होंने खुद इसे इस उद्देश्य के लिए दिया था। आज मैं इसे आपके सामने फेंक रहा हूं। इस साल की शुरुआत में, मार्च में, उन्होंने इसी तरह के विरोध प्रदर्शन के तहत एक भारतीय शॉल को फेंक दिया था। चादर जलाने की घटना भारत में इसी तरह के विरोध प्रदर्शन के कुछ ही दिनों बाद हुई है, जहां

प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेशी निर्मित ढाकाई जामदानी साड़ियों को जलाया था।

बंगाली हिंदू सुरक्षा समिति ने कोलकाता के साल्ट लेक इलाके में विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया, जिसमें उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार की निंदा की। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेशी उत्पादों के बहिष्कार का आह्वान किया और पड़ोसी देश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हमले जारी रहने पर जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी।

इन बढ़ते तनावों के बीच, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने सोमवार को ढाका में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस सहित शीर्ष बांग्लादेशी अधिकारियों से मुलाकात की। सैन्य समर्थित कार्यवाहक सरकार के सत्ता में आने के बाद से यह दोनों देशों के बीच पहली उच्च स्तरीय कूटनीतिक बातचीत थी। बैठक के दौरान, यूनुस ने भारत से उन बादलों को हटाने के लिए कहा, जो हाल ही में दोनों पड़ोसियों के बीच संबंधों पर छाया डाल रहे थे। दूसरी ओर, मिसरी ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और कल्याण पर नई दिल्ली की चिंताओं से अवगत कराया, और कहा कि धार्मिक और सांस्कृतिक संपत्तियों को निशाना बनाकर किए गए हमले खेदजनक हैं।

ऑस्ट्रेलिया की लैब से गायब हुए सैकड़ों घातक वायरस नमूने, जांच जारी

ब्रिस्बेन, एजेंसी। क्वींसलैंड सरकार ने दावा किया है कि ऑस्ट्रेलिया की एक प्रयोगशाला से सैकड़ों घातक वायरस के नमूने गायब हैं। क्वींसलैंड की ओर से इसी हफ्ते के सोमवार को यह घोषणा की गई और इसे गंभीर बताते हुए जांच की बात कही है। सरकार ने क्वींसलैंड स्वास्थ्य ऑस्ट्रेलिया के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिया है कि वह जैव सुरक्षा प्रोटोकॉल के प्रमुख ऐतिहासिक उल्लंघन के रूप में वर्णित मामले की जांच शुरू करे। यह बताया गया कि अगस्त 2023 में क्वींसलैंड की सार्वजनिक स्वास्थ्य वायरोलॉजी प्रयोगशाला से कई संक्रामक वायरस - जिनमें हेंड्रा वायरस, लिसावायरस और हंटावायरस शामिल हैं - की 323 शीशियाँ गायब हो गईं। हेंड्रा एक जूनोटिक (पशु से मानव में फैलने वाला) वायरस है जो केवल ऑस्ट्रेलिया में पाया गया है। सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार, हंटावायरस वायरस का एक परिवार है जो गंभीर बीमारी और मौत का कारण बन सकता है, जबकि लिसावायरस वायरस का एक समूह है जो रेबीज का कारण बन सकता है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि जिस प्रयोगशाला में नमूने गायब हुए, वह चिकित्सीय महत्व के वायरस और मच्छर और टिक-जनित रोगजनकों के लिए नैदानिक सेवाएं, निगरानी और अनुसंधान

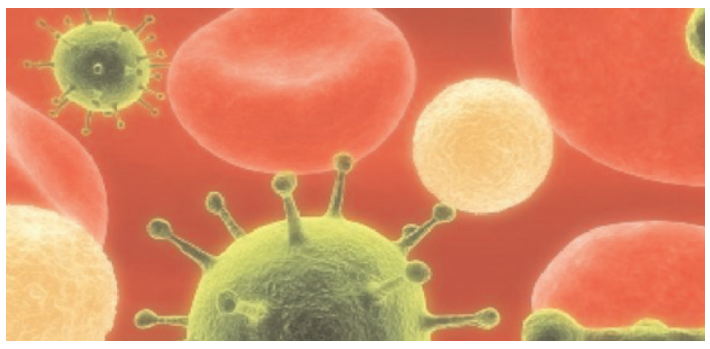

प्रदान करती है। बयान में कहा गया है कि यह ज्ञात नहीं है कि संक्रामक नमूने चोरी हो गए या नष्ट हो गए, और समुदाय के लिए जोखिम का कोई सबूत नहीं है। सरकार ने भाग 9 जांच शुरू की है। मंत्री टिमोथी निकोल्स ने विज्ञप्ति में कहा, जैव सुरक्षा प्रोटोकॉल के इतने गंभीर उल्लंघन और संक्रामक वायरस के नमूनों के संभावित रूप से गायब होने के साथ, क्वींसलैंड स्वास्थ्य को यह जांच करनी चाहिए कि क्या हुआ और इसे फिर से होने से कैसे रोका जाए। भाग 9 जांच यह सुनिश्चित करेगी कि इस घटना पर प्रतिक्रिया करते समय कुछ भी अनदेखा नहीं किया गया है और प्रयोगशाला में आज संचालन में मौजूदा नीतियों और प्रक्रियाओं की जांच की जाएगी। इस जांच में विनियामक अनुपालन और कर्मचारियों के आचरण पर भी विचार किया जाएगा। निकोलस ने कहा कि क्वींसलैंड स्वास्थ्य ने सक्रिय उपाय किए हैं, जिसमें आवश्यक विनियमों पर कर्मचारियों को फिर से प्रशिक्षित करना और सामग्रियों के सही भंडारण को सुनिश्चित करने के लिए ऑडिट आयोजित करना शामिल है। बोस्टन में नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी में एआई और जीवन विज्ञान के निदेशक सैम स्कार्पिनो, पीएचडी ने पुष्टि की कि ऑस्ट्रेलिया में स्थिति महत्वपूर्ण जैव सुरक्षा चूक के बराबर है। उन्होंने फॉक्स न्यूज डिजिटल को बताया कि लापता बताए गए सभी रोगजनक उच्च-परिणाम वाले हैं और जनता के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं।

पूर्व आईएसआई प्रमुख फैज हमीद पर राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप

रावलपिंडी, एजेंसी। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के पूर्व चीफ लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) फैज हमीद पर औपचारिक तौर पर राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। इससे उनके फील्ड जनरल कोर्ट मार्शल (एफजीसीएम) का रास्ता साफ हो गया है। पाकिस्तान के सैन्य प्रतिष्ठान की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने मंगलवार को ऐलान किया कि हमीद को राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

रिटायर्ड जनरल को अब डीजी-आईएसआई के रूप में उनकी गतिविधियों को लेकर गंभीर जांच का सामना करना पड़ेगा। हमीद पर यह आरोप भी है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के कार्यकर्ताओं और समर्थकों द्वारा 9 मई, 2023 को सैन्य प्रतिष्ठानों पर हिंसक हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को उन्होंने सीक्रेट समर्थन दिया। आईएसपीआर की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, 12 अगस्त 2024 को लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद (रिटायर्ड) के खिलाफ पाकिस्तान सेना अधिनियम के प्रावधान के तहत एफजीसीएम की प्रक्रिया शुरू की गई। सबसे पहले उन्हें औपचारिक रूप से राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होने, राज्य की सुरक्षा और हित के लिए आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम का उल्लंघन करने, अधिकार और सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग और किसी व्यक्ति (व्यक्तियों) को गलत तरीके से नुकसान पहुंचाने के लिए आरोपित किया गया। आईएसपीआर ने कहा, इस प्रक्रिया के दौरान, राजनीतिक हितों के साथ मिलीभगत के तहत अस्थिरता फैलाने वाली 9 मई 2023 की घटना सहित कई संबंधित घटनाओं में लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद के शामिल होने की अलग से जांच की जा रही है। उन्हें कानून के अनुसार सभी वैध अधिकार दिए जा रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फैज हमीद को इस साल अगस्त में पाकिस्तानी सेना ने गिरफ्तार किया था। हमीद के खिलाफ कानूनी कार्रवाई से इमरान खान और उनकी पार्टी की मुश्किलें बढ़ सकती है। 9 मई के कई मामलों को अब पाकिस्तान सेना के आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत सैन्य अदालतों में सुनवाई के लिए लाया जा सकता है। पीटीआई ने इसका विरोध किया है और अदालत से खान के मामलों को सैन्य अदालतों में भेजने से रोकने की मांग की गई है।

मोहम्मद अल-बशीर बने सीरिया के अंतरिम प्रधानमंत्री, असद का खेल खत्म

दश्मिक, एजेंसी। मोहम्मद अल-बशीर को 1 मार्च, 2025 तक संक्रमणकालीन सीरियाई सरकार का कार्यवाहक प्रधानमंत्री नियुक्त किया गया है। दमिश्क में 12 दिनों तक चले बिजली के हमले से पहले अल-बशीर ने विद्रोहियों के नेतृत्व वाली साल्वेशन सरकार चलाई थी। पूर्व राष्ट्रपति असद को उखाड़ फेंकने के लिए 12 दिवसीय आक्रमण शुरू करने से पहले बशीर पहले विद्रोहियों के कब्जे वाली एक छोटी सी जगह में प्रशासन चलाते थे। वह इस्लामी समूह हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) की देखरेख वाली संस्था में थे। आने वाले संक्रमणकालीन प्रधान मंत्री ने साल्वेशन सरकार का भी नेतृत्व किया, जिसने केवल उत्तर-पश्चिमी सीरिया और इदलिब के कुछ हिस्सों पर शासन किया। जनजीवन धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है, हालांकि अधिकतर दुकानें और सार्वजनिक संस्थान बंद रहे। सड़कों पर कुछ लोग अब भी जश्न मना रहे हैं। यातायात फिर से शुरू हो गया, लेकिन कोई सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध नहीं है।

सीरिया में विद्रोही गुट यानी रिबेल ग्रुप ने सीरिया के कई शहरों पर कब्जा जमा लिया है। रिबेल ग्रुप ने 7 दिसंबर को कहा कि उन्होंने उत्तरी और मध्य सीरिया के बाद इसके ज्यादातर दक्षिणी हिस्से पर भी कब्जा जमा लिया है। बशर अल असद रूस पहुंच गए हैं और अपने परिवार के साथ पहुंचे हैं। अपने परिवार के साथ वो पहुंचे हैं। यहां उन्हें राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन ने मानवीय आधार पर शरण दे दी है। रूस ने ये भी कहा कि वो सीरिया विवाद के राजनीतिक समाधान का समर्थन करता है। इजराइल ने ईरान और लेबनान के प्रमुख सहयोगी असद के सत्ता से बेदखल होने

का स्वागत किया, लेकिन आगे क्या होगा इस पर चिंता व्यक्त की। इजराइल का कहना है कि उसके सुरक्षाबलों ने सीरिया के अंदर एक बफर जोन पर अस्थायी रूप से कब्जा कर लिया है, जो 1974 के समझौते के अनुसार है। इजराइल के विदेश मंत्री गिडिअन सार ने कहा कि हमारा एकमात्र हित इजराइल और उसके नागरिकों की सुरक्षा है। उन्होंने कहा कि इसी वजह से इजराइली सुरक्षा बलों ने इन हथियारों को हमला कर नष्ट कर दिया, ताकि ये चरमपंथियों के हाथ न लग सकें। मोहम्मद अल-बशीर ने सरकारी टेलीविजन पर लोगों को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने कहा कि वो 1 मार्च तक अंतरिम सरकार का नेतृत्व करेंगे. उन्होंने कहा, हमने एक कैबिनेट बैठक की थी. इस बैठक में इदलिब और उसके आसपास के क्षेत्रों में काम कर रही साल्वेशन सरकार की एक टीम और अपदस्थ शासन की सरकार शामिल थी. इस मीटिंग में बैठक में फाइलों और संस्थानों को कार्यवाहक सरकार को हस्तांतरित करने की चर्चा हुई थी. सीरिया के अंतरिम प्रधानमंत्री मोहम्मद अल-बशीर को लेकर बहुत कम जानकारी सामने आई है. इससे पहले वो विद्रोहियों द्वारा नियंत्रित उत्तर-पश्चिम के एक छोटे से हिस्से में प्रशासन चला चुके हैं. उन्हें एक लो प्रोफाइल नेता माना जाता है. उन्हें इदलिब प्रांत से आगे के बहुत कम लोग जानते हैं. उन्होंने लंबे समय तक इदलिब प्रांत के एक छोटे से ग्रामीण इलाके में विद्रोहियों के कब्जे वाले क्षेत्र में प्रशासन देखा था. विद्रोही प्रशासन के एक फेसबुक पेज पर उनके बारे में कहा गया है कि वो एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियर हैं. इसके अलावा उन्होंने शरिया और कानून में डिग्री प्राप्त की है. वो शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में कई पदों पर रहे हैं. सीरिया के विद्रोही गुटों ने अनिवार्य सेवा में भर्ती किए गए सभी सैन्य कर्मियों के लिए आम माफी की घोषणा की है. एक बयान में, विद्रोही गुटों के सैन्य अभियान विभाग ने ऐलान किया।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के भाठेना इलाके में दो लड़कियों से छेड़खानी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के भाठेना इलाके में कुछ समय पहले सार्वजनिक सड़क पर मात्र पांच फीट की दूरी पर दो लड़कियों से छेड़खानी करने वाले आरोपी को सूरत पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस आरोपी को लेकर आज बाजार में पहुंची और सरेआम उसकी बेइज्जती कर उसे सही जगह पर लाकर खड़ा कर दिया। आरोपी के मोबाइल की जांच के दौरान उसमें से कई पोर्न वीडियो मिले। पुलिस ने मोबाइल को आगे की जांच के लिए एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी) भेज दिया है। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने बेहद बेहूदा बयान दिया। उसने स्वीकार किया कि जब भी वह किसी लड़की को देखता है, तो उसकी नीयत खराब हो जाती है।

इस घटना ने इलाके में गुस्सा और रोष पैदा कर दिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है और यह सुनिश्चित करने की बात कही है कि उसे उसके अपराध की सख्त सजा मिले।

सूरत के भाठेना इलाके की एक सोसायटी में मात्र 30 सेकंड के भीतर दो लड़कियों से छेड़खानी करने वाला आरोपी सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। सोसायटी के अध्यक्ष ने उधना पुलिस स्टेशन में इसकी शिकायत दर्ज कराई।

सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की और कुछ ही घंटों में नेमुद्दीन जबार नामक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी केवल 19 साल का है और मजदूरी का काम करता है। जांच में पता चला कि आरोपी उन इलाकों में जाता था, जहां उसने पहले मजदूरी का काम किया था, और वहां लड़कियों को निशाना बनाता था। इसी तरह, उसने इस सोसायटी में आकर छेड़खानी की घटना को अंजाम दिया।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना के बाद इलाके में नागरिकों के बीच गुस्सा और डर व्याप्त है।

उधना पुलिस द्वारा आरोपी की गिरफ्तारी के बाद की गई जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए। आरोपी उना पाटिया इलाके का रहने वाला है, जो घटनास्थल से करीब 7 किलोमीटर दूर है। आरोपी पहले घटनास्थल के पास मजदूरी का काम कर चुका है, जिससे वह इस इलाके को अच्छी तरह से जानता था।

घटना के दिन रात करीब 8:30 बजे आरोपी ने दो लड़कियों से छेड़खानी की। हालांकि, उसने यह हरकत अंजाम देने के लिए दो घंटे पहले ही उस इलाके में आकर घुमना शुरू कर दिया था और लड़कियों की तलाश में था।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है और घटना के पीछे उसकी योजना और मानसिकता की जांच कर रही है। इस घटना ने इलाके में सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आरोपी के मोबाइल से पोर्न वीडियो मिले

उधना पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर एस.एन. देसाई ने बताया कि आरोपी घटना से दो घंटे पहले इस क्षेत्र में घूम रहा था। पुलिस यह जांच कर रही है कि वह दो घंटों तक कहां-कहां घूमता रहा और उसने क्या किया। आरोपी के मोबाइल से कई पोर्न वीडियो मिले हैं, जिन्हें फॉरेंसिक साइंस लैब (FSL) में जांच के लिए भेजा जाएगा।

सूरत के लिम्बायत में किशोरी से दुष्कर्म

पैसे का लालच देकर किशोरी को साथ ले गया और दुष्कर्म किया,आरोपी अरबाज़ फरार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के लिम्बायत इलाके में एक युवक ने किशोरी को पैसे का लालच देकर अपने साथ ले जाकर दुष्कर्म किया। आरोपी का नाम अरबाज़ है, जो घटना के बाद फरार हो गया है। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

सूरत के लिम्बायत क्षेत्र में मानसिक रूप से अस्थिर किशोरी के साथ दुष्कर्म के मामले ने समाज में हड़कंप मचा दिया है। आरोपी मुस्ताक उर्फ अरबाज़ ने किशोरी को पैसे का लालच देकर अपने साथ ले जाकर दुष्कर्म किया। आरोपी ने किशोरी को जान से मारने की धमकी भी दी और घटना के बाद फरार हो गया।

लिंबायत कांतीनगर में रहने वाला मुस्ताक उर्फ अरबाज़ स्थानीय मानसिक रूप से अस्थिर किशोरी को पैसे का लालच देकर अपने जाल में फंसाकर उसे ले गया और दुष्कर्म किया, क्योंकि किशोरी अपने आसपास के वातावरण और स्थिति को समझ नहीं पा रही थी।

परिवार की शिकायत के बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। घटना की जानकारी मिलने पर परिवार ने लिंबायत पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अपहरण, पोक्सो एक्ट और दुष्कर्म के तहत मामला दर्ज किया है।

आरोपी घटना के बाद फरार हो गया है, और डीसीपी भगीरथ गढ़वी के मार्गदर्शन में पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपी की तलाश के लिए कई पुलिस टीमों को तैनात किया गया है।

सूरत कपड़ा मार्केट में पिता-पुत्र की ठगी

1.73 करोड़ के ग़ैरवहींवट में आरोपी की अमृतसर से गिरफ्तारी;पुत्र अभी भी फरार.

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर, जो कपड़े का प्रमुख व्यापारिक हब माना जाता है, में एक बड़ी आर्थिक ठगी का खुलासा हुआ है। पिता-पुत्र की जोड़ी ने ग्रे कपड़े खरीदने का नाटक कर व्यापारियों से लगभग 1,73,90,155 की ठगी की। इस मामले में आरोपी पिता सुमन रामनाथ महेरा को पंजाब के अमृतसर से सूरत पुलिस की इकोसैल टीम ने गिरफ्तार किया है।

फरीयादी अनिल कांतीलाल जरीवाला द्वारा पुलिस में दी गई शिकायत के अनुसार, आरोपी पिता सुमन महेरा और पुत्र सिद्धार्थ महेरा 2022 में उनके ऑफिस में आकर विश्वास जीतने में सफल हुए थे। शुरुआत में समय पर भुगतान कर, उन्होंने ज्यादा कपड़ा मंगवाया, लेकिन बड़ी मात्रा में माल प्राप्त करने के बाद, बिना भुगतान किए अपनी दुकानें बंद कर फरार हो गए। इस प्रकार, केवल शिकायतकर्ता ही नहीं, अन्य व्यापारियों से भी ठगी की गई थी।

इस मामले में DCB पुलिस स्टेशन में IPC की धारा 409, 420 और 114 के तहत मामला दर्ज किया गया था। इकोसैल टीम ने आरोपी सुमन महेरा को 9 दिसंबर, 2024 को अमृतसर, पंजाब से गिरफ्तार किया और वहां की कोर्ट में पेश किया। ट्रांज़िट रिमांड मिलने के बाद उन्हें सूरत लाया गया, जहां अब पुलिस ने रिमांड प्राप्त कर आगे की जांच शुरू की है।

आरोपियों ने सूरत के टेक्सटाइल मार्केट में अपनी एक बड़ी पहचान बनाने का नाटक कर, शुरुआत में समय पर भुगतान करके ग्राहकों का विश्वास जीता। इस विश्वास का लाभ उठाकर उन्होंने ज्यादा माल मंगवाया और बिना भुगतान किए दुकानें बंद कर फरार हो गए। इस मामले में दूसरा आरोपी पुत्र सिद्धार्थ महेरा अभी भी फरार है, और उसकी तलाश जारी है।

स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा नीरा के 8 स्थानों से नमूने लेने की कार्रवाई की गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में फूड सेफ्टी अधिकारियों द्वारा नीरा के नमूने लिए गए हैं। कुल 8 जगहों पर जांच की गई और 8 सैंपल लेकर अलग-अलग प्रयोगशालाओं में भेजे गए हैं।

सर्दी के मौसम में लोग सेहतमंद रहने के लिए नीरा का सेवन करते हैं, और वर्तमान में सर्दी का मौसम होने के कारण सूरत शहर में नीरा की बिक्री भी बड़े पैमाने पर हो रही है। पानी को स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। ऐसे में नागरिकों को किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या से बचाने के लिए सूरत नगर निगम के फूड सेफ्टी अधिकारियों द्वारा नीरा के नमूने लिए गए हैं। अलग-अलग टीमों का गठन कर नीरा के बिक्री केंद्रों पर जांच की गई और कुल 8 जगहों से नमूने लिए गए। ये नमूने जांच के लिए पब्लिक हेल्थ लैबोरेटरी में भेजे गए हैं और यदि रिपोर्ट में कोई खामी सामने आई, तो इस मामले में कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पानी की बिक्री शुरू होते ही स्वास्थ्य विभाग ने सक्रियता दिखाते हुए फूड सेफ्टी अधिकारियों के माध्यम से अलग-अलग टीमों का गठन किया और सूरत के घोड़दोड़ रोड, कतारगाम, उधना, चौक बाजार सहित विभिन्न इलाकों में जांच कर नीरा के नमूने लिए गए।

पत्नी के पूर्वप्रेमी को फंसाने के लिए पुलिसकर्मी पति का साजिश

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक पुलिस कांस्टेबल ने अपनी पत्नी और एक बैंक सीनियर मैनेजर के बीच प्रेम संबंधों का बदला लेने के लिए एक कावतरू रचा। उसने किसी अज्ञात व्यक्ति के पास एक एक्टिवा की डिक्की में दो ज़िंदा कारतूस रखवाए और फिर पुलिस कंट्रोल को फोन कर जानकारी दी, जिससे झूठा मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने जांच शुरू की और पुलिसकर्मी की साजिश का पर्दाफाश कर दिया।

उमरा पुलिस स्टेशन में आर्म्स एक्ट के तहत दर्ज मामले में चौंकाने वाले तथ्यों का खुलासा हुआ। 9 दिसंबर, 2024 को उमरा पुलिस को सूचना मिली कि घोड़दोड़ रोड पर एक बेस पार्किंग में एक एक्टिवा की डिक्की में संदिग्ध वस्तु रखी हुई है। जांच करने पर डिक्की में स्क्रू राइफल के दो कारतूस मिले। एक्टिवा के मालिक ने इन कारतूसों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी, जिसके बाद उमरा पुलिस स्टेशन में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस जांच में यह खुलासा हुआ कि शिकायतकर्ता और बैंक में काम करने वाली महिला के बीच प्रेम संबंध थे। महिला के पति, अश्विन चांदे, जो नागपुर में पुलिस कांस्टेबल हैं, इस संबंध से नाराज थे। बदनाम करने और फंसाने के लिए उन्होंने यह साजिश रची थी।

अश्विन चांदे ने अपनी स्क्रू राइफल के कारतूस अपने सहआरोपी सोहेल खान को दिए और उसे कहा कि वह शिकायतकर्ता की एक्टिवा की डिक्की में कारतूस रख दे। इसके बाद पुलिसकर्मी ने सोहेल खान को 100 नंबर पर फोन कर पुलिस को जानकारी दी, ताकि पूर्व प्रेमी की गाड़ी से कारतूस मिले और पुलिस केस में बदनामी हो, साथ ही वह फंस भी जाए।

डीसीपी विजयसिंह गुर्जर ने बताया कि शिकायतकर्ता एक बैंक में सीनियर मैनेजर है, जबकि महिला सहकर्मी असिस्टेंट मैनेजर है। दोनों के बीच प्रेम संबंध थे और दोनों अपने-अपने पति-पत्नी से तलाक लेना चाहते थे। इसके लिए उन्होंने कानूनी प्रक्रिया भी शुरू की थी। इस दौरान महिला और उसके पति, जो कि पुलिस कांस्टेबल हैं, के बीच समझौता हो गया और उनका तलाक नहीं हुआ। पुलिसकर्मी पति इस रिश्ते से नाराज था और बदला लेने की इच्छा रखता था। उसने शिकायतकर्ता को झूठे मामले में फंसाने की साजिश रची।

डीसीपी विजयसिंह गुर्जर ने आगे बताया कि कारतूस के मामले में आरोपी ने कहा कि जब वह ट्रेनिंग में था, तो वह गडचिरोली के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में गया था। ट्रेनिंग के दौरान फायरिंग के लिए काउंटिंग नहीं की जा रही थी। उस समय उसने दो कारतूस साथ लाए थे, जिन्हें उसने शिकायतकर्ता की कार में रख दिया था। अब यह जांच की जा रही है कि आरोपी जो कह रहा है, वह सच है या नहीं।

उमरा पुलिस के पीआई के. वी. पटेल और उनकी टीम ने तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपी अश्विन चांदे को पकड़ लिया और कार्रवाई शुरू

सूरत में 10 साल के बच्चे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में पतंग की डोरी को लेकर हुई एक दुखद घटना में 10 साल के बच्चे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वेरियाव के कंताड़ा गांव में यह घटना सामने आई है, जिसमें परिवार में शोक का माहौल फैल गया है।

घटना की जानकारी के अनुसार, भलाभाई दलपतभाई राठोड और उनकी पत्नी खेत मजदूरी करने गए थे, जबकि बच्चे घर पर अकेले थे। बच्चे रोज़ की तरह पतंग उड़ाने में व्यस्त थे, जब 10 वर्षीय केतन ने अपने छोटे भाई किशु से पतंग की डोरी मांगी। किशु ने डोरी देने से इनकार कर दिया, जिससे केतन को बुरा लग गया। इसके बाद वह घर में चला गया और छत की एंगल से फांसी लगा ली। कई बार उसे बाहर आते नहीं देखा गया।

केतन की बहन, जो खाने के लिए डिब्बा लेने गई थी, ने भाई को लटकते देखा और शोर मचाया। इसके बाद पास की महिला दौड़कर आई और माता-पिता को फोन करके सूचित किया। माता-पिता खेत से दौड़ते हुए आए, लेकिन इससे पहले कि वे उसे बचा पाते, केतन की मौत हो चुकी थी। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सूरत सिविल अस्पताल भेजा गया।

यह घटना इस बात का संकेत देती है कि छोटे बच्चों को भी सामान्य बातों पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है, और वे ऐसे कदम उठा सकते हैं।

सूरत वासियों को एक गड्ढा औसतन दो लाख में पड़ा

पिछले 3 सालों में सड़क मरम्मत पर नगर निगम ने 250 करोड़ खर्च किए, लेकिन सड़कें अभी भी खराब हालत में हैं, तो पैसे कहां गए?

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम ने पिछले तीन वर्षों में सड़क मरम्मत और रखरखाव पर भारी रकम खर्च की है। करीब 250 करोड़ रुपये का बजट सड़क मरम्मत के लिए आवंटित किया गया, लेकिन सूरत की सड़कों की स्थिति जस की तस है। जगह-जगह गड्ढे हैं, जिससे यातायात बाधित हो रहा है और नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

इस खर्च को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि अगर सड़कें ठीक नहीं हुईं तो ये पैसे कहां गए। नागरिकों का कहना है कि गड्ढों की मरम्मत के नाम पर हर साल भारी धनराशि खर्च की जाती है, लेकिन इसका कोई असर सड़क की गुणवत्ता पर दिखाई नहीं देता।

इस मुद्दे पर सूरत नगर निगम के अधिकारियों से जवाब तलब किया जा रहा है। वहीं, भ्रष्टाचार और लापरवाही के आरोप भी लगाए जा रहे हैं। सड़क मरम्मत की स्थिति और धनराशि के उपयोग की जांच की मांग की जा रही है।

सवाल उठ रहे हैं

1. मरम्मत का काम किसे सौंपा गया था, और क्या यह काम गुणवत्ता मानकों के अनुसार हुआ?
2. हर साल खर्च किए गए करोड़ों रुपये का लेखा-जोखा सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया?
3. क्या इस मामले में किसी पर कार्रवाई होगी?

इस तरह की खबरें नागरिकों के बीच आक्रोश और प्रशासन के प्रति अविश्वास को बढ़ा रही हैं।

सूरत नगर निगम हर साल सड़कों की मरम्मत पर करोड़ों रुपये खर्च करता है। पिछले मानसून के दौरान निगम के अनुसार, 5331 वर्ग मीटर सड़क की मरम्मत की गई थी, जिस पर लगभग 98 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे।

पिछले तीन वर्षों में, सड़क मरम्मत पर औसतन 250 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। लेकिन 250 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद सूरत की सड़कों की स्थिति च्जैसे थेज्ञ बनी हुई है। सड़कों की खराब हालत पर सवाल उठ रहे हैं कि इतना बड़ा बजट खर्च करने के बावजूद नागरिकों को गड्ढों और खराब सड़कों से राहत क्यों नहीं मिल रही। पिछले तीन वर्षों में, सूरत नगर निगम ने वर्ग 3 और 4 के कर्मचारियों तथा सुपरविजन स्टाफ के वेतन पर लगभग 162 करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

दो बच्चों को छोड़कर शादीशुदा युवती सूरत में प्रेमी के साथ रहने लगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के सरथाणा क्षेत्र में एक युवती को कुछ लोग ले जा रहे थे, ऐसा एक वीडियो हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। जांच में पता चला कि यह घटना दो दिन पुरानी थी और सरथाणा क्षेत्र की थी। हालांकि, इस मामले में यह सामने आया कि शादीशुदा युवती अपने प्रेमी के पास रहने के लिए आई थी, इसलिए युवती के परिवार वाले उसे लेने पहुंचे थे, लेकिन प्रेमी के परिवार के साथ झगड़ा हो गया था। इसके बाद प्रेमी ने युवती के परिवार के खिलाफ झगड़े की शिकायत की थी, यह जानकारी पुलिस ने दी है।

मिली जानकारी के अनुसार, सरथाणा क्षेत्र में एक युवती को चार महिलाएं और तीन युवक अपहरण कर रहे थे, ऐसा CCTV फुटेज पिछले दो दिनों से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था। युवती जाने से मना कर रही थी, फिर भी उसे जबरदस्ती उठाकर कार में डालकर अपहरण किया गया था, इस तरह के CCTV फुटेज सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गए थे। इस मामले में सरथाणा पुलिस स्टेशन में सिर्फ एक आवेदन किया गया है, कोई औपचारिक शिकायत नहीं दर्ज की गई है, ऐसा सरथाणा क्ष्छ एम.बी. झाला ने बताया।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, यह महिला परिनीत है और दो बच्चों की मां है, जो सौराष्ट्र में अपने ससुराल में रहती थी। हालांकि, पिछले दो दिनों से यह युवती भागकर सूरत अपने प्रेमी के पास आई थी।